



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

आधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 5, 1974/आश्विन 13, 1896

No. 40]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 5, 1974/ASVINA 13, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation

### भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

### PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities  
(other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

ELECTION COMMISSION OF INDIA

आदेश

ORDER

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1974

New Delhi, the 28th August, 1974

का० प्रा० 2555.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 को हुए उड़ीसा विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 139-अंगुल निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अशोक मिश्र, ग्राम बेनिया-बाहान, पो० टुनुरियागा, जिला घेतकानान, उड़ीसा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घोषित बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा किये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायविरुद्ध नहीं है,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्द्वारा उक्त श्री अशोक मिश्र को सदस्य के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

S.O. 2555.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Asoka Misra, Village-Baniabahal, P.O. Hulirisinga, district Dhenkanal (Orissa), a contesting candidate for general election to the Orissa Legislative Assembly from 139-Angul constituency, held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Asoka Misra to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[सं० उडी०-वि० सं०/139/71]

[No. OR-LA/139/71]

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1974

क्र० आ० 2556.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 को हुए उड़ीसा विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 140-आथमल्लिक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अशोक मिश्र ग्राम बेनिबाहाल, पो० हुलुरिसिंगा, जिला धनकानाल, उड़ीसा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री अशोक मिश्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० उड़ी०-वि० सं०/140/71]

New Delhi, the 30th August, 1974

**S.O. 2556.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Asoka Misra, Village-Baniabahal, P.O. Hularisinga, district Dhenkanal, Orissa, a contesting candidate for general election to the Orissa Legislative Assembly from 140-Athmallik constituency, held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure :

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Asoka Misra to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/140/71]

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1974

क्र०आ० 2557.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 133-कटिहार निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुशमा शरणसिंह गौशला कटिहार, जिला पूर्णिया, बिहार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सुशमा शरणसिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-वि० सं०/133/72(96)]

New Delhi, 3rd September, 1974

**S.O. 2557.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sudama Sharan Singh, Goushala, Katihar, District Purnea who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 133-Katihar constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sudama Sharan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/133/72(96)]

क्र० आ० 2558.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 133-कटिहार निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री उत्तम लाल शर्मा, ग्राम मुहम्मदपुर, पो० दुर्गागंज, जिला पूर्णिया, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री उत्तम लाल शर्मा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[सं० बिहार-वि० सं०/133/72(95)]

**S.O. 2558.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Uttam Lal Sharma, Village Mohammadpur, P.O. Durgaganj, District Purnea who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 133-Katihar constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Uttam Lal Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/133/72(95)]

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1974

का०प्रा० 2559.—यत्., निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के निर्वाचन के लिए 143-पाकुड़ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार म० महमिन, मानिकपारा, गगनपहारी, पाकुड़, सत्याल परगना, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यत्., उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त म० महमिन को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[स० बिहार-वि० स०/143/72(100)]

New Delhi, the 4th September, 1974

S.O. 2559.—Whereas the Election Commission is satisfied that Md. Mahasin, Manikapara, Gaganpahari, Pakur, Santhal Parganas who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 143-Pakaur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Md. Mahasin to be disqualified for being chosen as, and or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/143/72(100)]

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1974

का०प्रा० 2560.—यत्., निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के निर्वाचन के लिए 144-महेसपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कालेश्वर हेमब्रम, ग्राम जरीडीह, पन्नालय गान्दी, जिना सत्याल परगना, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्घीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यत्.: उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री कालेश्वर हेमब्रम को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[स० बिहार-वि० स०/144/72(101)]

New Delhi, the 5th September, 1974

S.O. 2560.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kaleshwar Hembram, Village Jaradih, P.O. Gando District Santhal Parganas who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 144-Maheshpur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kaleshwar Hembram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/144/72(101)]

का०प्रा० 2561.—यत्., निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 को हुए बिहार विधान सभा के निर्वाचन के लिए 145-माला सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गिरीधारी मुरमु, ग्राम भगवा सरसुंकी, पो० बेराबनी मंथाल परगना, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्घीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

और, यत्.: उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गिरीधारी मुरमु को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा प्रथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है ।

[स० बिहार-वि० स०/146/72(105)]

ए० एन० सैन, सचिव

**S.O. 2561.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Giridhari Marmu, Village Agya Sarmundi, P.O. Kairabani, Santhal Parganas who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 146-Nala constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Giridhari Marmu to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/146/72(105)]

A. N. SEN, Secy.

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1974

**का० प्रा० 2562.**—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निर्वाचन आयोग दादरा तथा नागर हवेली संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन के परामर्श से, श्री अनिल चोपड़ा, कलेक्टर, दादरा तथा नागर हवेली को तारीख 6 जुलाई, 1974 के अपराह्न से श्री जगदीश सागर के स्थान पर दादरा तथा नागर हवेली संघ राज्य क्षेत्र के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकार के रूप में एनद्वारा नाम निर्देशित करता है।

[सं 154/दा० न० ह०/74/55676]

वी० नागसुब्रमण्यन, सचिव

New Delhi, the 19th September, 1974

**S.O. 2562.**—In exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the people Act, 1950, the Election Commission in consultation with the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli, hereby nominates Shri Anil Chopra, Collector, Dadra and Nagar Haveli, as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli with effect from the afternoon of the 6th July, 1974 vice Shri Jagdish Sagar.

[No. 154/DNH/74/55676]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

बिल मंत्रालय

(राजस्व और धीमा विभाग)

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1974

(आय-कर)

**का० प्रा० 2563.**—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ की उपधारा (2) (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्री पार्थसारथी स्वामी देवस्थानम्, त्रिपलिकाने, मद्रास को उक्त

धारा के प्रयोजनों के लिए मद्रास राज्य में सर्वत्र विद्यालोक-पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं 707 (फा० सं० 176/38/74-आई टी (ए आई))]

वी० बी० श्रीनिवासन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Dept. of Revenue & Insurance)

New Delhi, the 20th August, 1974

(Income-Tax)

**S.O. 2563.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Sri Parthasarathyswamy Devasthanam, Triplicane, Madras to be a place of public worship of renown throughout the State of Madras for the purposes of the said section.

[No. 707 (F. No. 176/38/74-IT(AI))]

V. B. SRINIVASAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1974

**का० प्रा० 2564.**—आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सर्वश्री आर० डी० पुरी और आई० सी० गुप्ता को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 अधिसूचना सं० 14 (फा० सं० 16/101/69-आई टी सी सी), तारीख 27 मई, 1969 और अधिसूचना सं० 154 (फा० सं० 404/35/71-आई टी सी सी), तारीख 18 मई, 1971 के अधीन कर वसूली अधिकारियों के रूप में की गई क्रमशः सर्वश्री आर० एम० जावा और सत्य देव की नियुक्तियाँ रद्द की जाती हैं।

3 यह अधिसूचना उस तारीख को प्रवृत्त होगी जिस तारीख को सर्वश्री आर० डी० पुरी और आई० सी० गुप्ता, कर वसूली अधिकारियों के रूप में कार्य-भार ग्रहण करते हैं।

[सं 711 (फा० सं० 404/221/74-आई टी सी सी)]

New Delhi, the 6th September, 1974

**S.O. 2564.**—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri R. D. Puri and I. C. Gupta, who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. The appointments of S/Shri R. S. Jawa and Satya Dev as Tax Recovery Officers made under Notification No. 44 (F. No. 16/104/69-ITCC) dated the 27th May, 1969 and Notification No. 154 (F. No. 404/35/71-ITCC) dated the 18th May, 1971 respectively are hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date S/Shri R. D. Puri and J. C. Gupta take over charge as Tax Recovery Officers.

[No. 711 (F. No. 404/221/74-ITCC)]

क्रा० आ० 2565.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (III) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री छत्तर सिंह को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. अधिसूचना सं० 674 (फा० सं० 404/15/74—आई टी सी सी), तारीख 10 जुलाई, 1974 के अधीन, कर वसूली अधिकारी के रूप में की गई श्री जे० के० गोयल की नियुक्ति रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना उस तारीख को प्रवृत्त होगी जिस तारीख को श्री छत्तर सिंह कर वसूली अधिकारी के रूप में कार्य भार ग्रहण करते हैं।

[सं० 713 (फा० सं० 404/241/74—आई टी सी सी)]

टी० आर० अग्रवाल, उप सचिव

S.O. 2565.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Chhattar Singh who is a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri J. K. Goyal as Tax Recovery Officer made under Notification No. 674 (F. No. 404/15/74-ITCC) dated 10th July, 1974 is hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Chhattar Singh takes over as Tax Recovery Officer.

[No. 713 (F. No. 404/241/74-ITCC)]

T. R. AGGARWAL, Dy. Secy.

रिज़र्व बैंक भाफ इंडिया

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1974

क्रा० आ० 2566.—रिज़र्व बैंक भाफ इंडिया अधिनियम, 1974 के अनुसूचन में सितम्बर 1974, की 13 तारीख को समाप्त हुए सप्ताह के लिए लेखा (इशू विभाग)

वेयताएं	रुपये	रुपये	घास्तियाँ	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	47,64,09,000		भोने का सिक्का और बुनियात :— (क) भारत में रखा हुआ (ख) भारत के बाहर रखा हुआ	1,82,53,05,000	
संचालन में नोट	6084,52,87,000		विदेशी प्रतिभूतियाँ	1,41,73,97,000	
जारी किये गये कुल नोट	6132,16,96,000		जोड़	3,24,27,02,000	
			रुपये का सिक्का	16,66,06,000	
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियाँ	5791,23,88,000	
			बेसी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र		
कुल वेयताएं	6132,16,96,000		कुल घास्तियाँ	6132,16,96,000	

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

तारीख . 18 सितम्बर, 1974

13 सितम्बर, 1974, को रिज़र्व बैंक आफ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएँ	रुपये	प्राप्तियाँ	रुपये
सुकता पृजी	5,00,00,000	नोट	47,64,09,000
भारक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	3,28,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		छोटा सिक्का	3,64,000
(दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	284,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल	
राष्ट्रीय कृषि ऋण		(क) देशी	177,37,79,000
(स्थिरीकरण निधि)	95,00,00,000	(ख) विदेशी	.
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण		(ग) सरकारी खजाना बिल	620,56,09,000
(दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि	265,00,00,000	विदेशों में रखे हुए ऋण का व्याज*	507,70,24,000
जमा राशियाँ —		निवेश**	177,07,53,000
(क) सरकारी		ऋण और अग्रिम —	
(i) केन्द्रीय सरकार	57,14,09,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	.
(ii) राज्य सरकारें	12,27,11,000	(ii) राज्य सरकारों को (a)	76,93,72,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम —	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	532,06,32,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को†	64,84,00,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	15,18,94,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को‡	2,29,07,98,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,40,60,000	(iii) दूसरों को	21,68,60,000
(iv) अन्य बैंक	64,14,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से	
		ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम —	
		(i) राज्य सरकारों को	67,86,75,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	15,04,08,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को	..
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	64,00,00,000
(ग) अन्य	373,36,61,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के हिस्सेदारों में निवेश	11,07,48,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और	
		अग्रिम	
देय बिल	98,63,90,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	48,03,91,000
अन्य देयताएँ	536,29,54,000	राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि में	
		ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	195,37,93,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बाह्य/हिस्सेदारों	
		में निवेश	..
		अन्य प्राप्तियाँ	101,64,14,000
रुपये	2426,01,25,000	रुपये	2426,01,25,000

\*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियाँ शामिल हैं।

\*\*राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि में प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों का दिये गये अस्थायी आवरग्रांट शामिल हैं।

†रिज़र्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम की धारा 17 (4) (ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को सीमादी बिलों पर अग्रिम दिये गये 12,96,00,000 रुपये शामिल हैं।

‡राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि में प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

तारीख 18 सितम्बर, 1974

[स० फ० 10 (1)/74-बी०ओ०-1]

च० व० मीरबन्सानी, अवर सचिव

## RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi the 20th September, 1974.

S.O. 2566.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934, for the week ended the 13th day of September, 1974  
(Issue Department)

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	47,64,09,000		Gold Coin and Bullion :—		
Notes in circulation	6084,52,87,000		(a) Held in India	182,53,05,000	
Total Notes issued		6132,16,96,000	(b) Held outside India		
			Foreign Securities	141,73,97,000	
			Total		324,27,02,000
			Rupee Coin		16,66,06,000
			Government of India		
			Rupee Securities		5791,23,88,000
			Internal Bills of Exchange and other Commercial paper		
Total Liabilities		6132,16,96,000	Total Assets		6132,16,96,000

S. JAGANNATHAN, Governor.

Dated the 18th day of September, 1974.

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 13th September, 1974

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid up	5,00,00,000	Notes	47,64,09,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	3,28,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	284,00,00,000	Small Coin	3,64,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	95,00,00,000	Bills Purchased and Discounted :—	
National Industrial Credit (Long Term Operations)	265,00,00,000	(a) Internal	177,37,79,000
Deposits :—		(b) External	
(a) Government		(c) Government Treasury Bills	620,56,09,000
(i) Central Government	57,14,09,000	Balances Held Abroad*	507,70,24,000
(ii) State Governments	12,27,11,000	Investments**	177,07,53,000
(b) Banks		Loans and Advances to :—	
(i) Scheduled Commercial Banks	532,06,32,000	(i) Central Government	
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	15,18,94,000	(ii) State Governments@	76,93,72,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,40,60,000	Loans and Advances to :—	
(iv) Other Banks	64,14,000	(i) Scheduled Commercial Banks†	64,84,00,000
(c) Others	373,36,61,000	(ii) State Co-operative Banks‡	229,07,98,000
Bills Payable	98,63,90,000	(iii) Others	21,68,60,000
Other Liabilities	536,29,54,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to :—	
		(i) State Governments	67,86,75,000
		(ii) State Co-operative Banks	15,04,08,000
		(iii) Central Land Mortgage Banks	
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	64,00,00,000
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	11,07,48,000
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	48,03,91,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	195,37,93,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
		Other Assets	101,64,14,000
Rupees	2426,01,25,000	Rupees	2426,01,25,000

\* Includes Cash, Fixed Deposit and Short-term Securities.

\*\* Excluding Investment from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

† Includes Rs. 12,96,00,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India, Act.

‡ Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

S. JAGANNATHAN, Governor.

Dated the 18th day of September, 1974.

[No. F. 10 (1)/74-BG-T]

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

## केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय

(विनिर्मित उत्पादन)

बड़ौदा, 23 अगस्त, 1974

क्रा० आ० 2567.— केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 के अधीन मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 96-जेड-ओ, 96 जेड-क्यू और 96 जेड-एस के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों को एतद्वारा शक्तियां प्रत्यायोजित करता हूँ।

अनु० समाहर्ता की प्रदत्त नियम सं० समाहर्ता की शक्तियां किस सं० शक्तियों का प्रकार अधिकारी को प्रत्यायोजित

- |   |   |                              |   |
|---|---|------------------------------|---|
| 1 | पूर्ण काल या अल्प काल के लिए विशेष प्रशिक्षण के लिए प्रथम आवेदन पत्र स्वीकार करना   | 96-जेड-ओ (1) और 96-जेड-ओ (2) | अधीक्षक   |
| 2 | (क) प्रपत्र ए० एस० पी० में नवीकरण आवेदन स्वीकार करना<br>(ख) नवीकरण के लिए ए० एस० पी० प्रस्तुत करने में विलम्ब को माफ करना | 96-जेड-ओ (4)                 | अधीक्षक   |
|   |   | यथोक्त                       | अधीक्षक   |
|   |   |                              | (i) विलम्ब 15 दिनों से अधिक न हो<br>(ii) 15 दिनों से अधिक विलम्ब माफ करने के लिए सहायक समाहर्ता                                 |
| 3 | प्रपत्र ए० आर० 11 में निकासी के लिए विलम्ब माफ करना और मासिक निक्षेप करने में हृष्टा विलम्ब माफ करना                      | 96-जेड-क्यू (2)              | (i) अधीक्षक प्रत्येक मामलों में विलम्ब 5 दिनों से अधिक न हो<br>(ii) सहायक समाहर्ता यदि उपर्युक्त (i) की सीमा से विलम्ब अधिक हो। |

2. समाहर्तालय की वि० उ० अधिसूचना सं० 5-71 दिनांक 16-8-1971 रद्द समझा जाय।

[अधि० सं० 2-74-सं० V. 19 (8) 1-74/बि० उ०

साक्ष्यांकित

ना० गु० पाटिल, अधीक्षक (तकनीकी) न० ब० संजाना, समाहर्ता

## CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

(Manufactured Products)

Baroda, the 23rd August, 1974

S. O. 2567.— In exercise of the powers conferred upon me under rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby delegate the powers under rules 96-ZO, 96-ZQ and 96-ZS of the Central Excise Rules, 1944 to the officers mentioned below :

Sr. No.	Nature of powers conferred on Collector.	Rule No.	Collector's powers delegated to
1	2	3	4
1.	To accept first application for the Special procedure for a full period or for a shorter period.	96-ZO(1) & 96-ZO(2)	Superintendent
2.	(a) To accept renewal application in form ASP (b) To condone delay in submission of ASP for renewal.	96-ZO(4) -do-	Superintendent (i) Superintendent for condoning delays not exceeding 15 days. (ii) Assistant Collector for condoning delays exceeding 15 days.
3.	To condone delay in submission of application for removal in form A.R. 11 and to condone delays in making monthly deposits.	96-ZQ(2)	(i) Superintendent for condoning delays not exceeding 5 days in each case. (ii) Assistant Collector if the delay exceeds the limits under (i) above.

2. Collectorate M.P. Notification No. 5/71 dated 16-8-1971 may be treated as cancelled.

Sd/-

Attested [Notification No. 2-74 No. V 19 (8) 1/74/MP]

Sd/-

N.B. SANJANA, Collector.

N. G. PATIL, Superintendent (Tech.)

बगलौर, 21 मितम्बर, 1974

(सीमा शुल्क)

क्रा० आ० 2568.— 1962 के सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 8(ख) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, आर० वी० सिन्हा, समाहर्ता, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिकारिता बगलौर तथा कर्नाटक राज्य, एतद्वारा, नये बगलौर के बड़े बन्दरगाह जो कि नये बगलौर के पास ऐसे स्थान पर अवस्थित है जिसका स्थानीय नाम पनमबूर है, के सीमा शुल्क क्षेत्र की परिसीमा विनिर्दिष्ट करता हूँ जैसाकि नीचे बताया गया है।

उत्तर में:—इसकी सीमा रेखा ठीक पूर्व में अक्षांश रेखा से 13° 00' 12-6" उत्तर तथा अक्षांश 13° 00' 12-6" उत्तर से 74° 43' 06" देशान्तर पूर्व में स्थित है। देशान्तर रेखा से 74° 47' 26" पूर्व।

पूर्व में:—इस स्थान से समुद्री तट पर इस सीमा रेखा की लम्बाई 45.72 मीटर है। इसका बिस्तार जल की अधिकतम सीमा से हारबर इस्टेट के उत्तरी अधिग्रहण सीमान्त स्तंभों तक है यह देशान्तर रेखा से 74° 48' 20-5" पूर्व तथा अक्षांश से 12° 56' 10" उत्तर में है।

(ख) उस स्थान से इसका बिस्तार रेलवे मार्गलिंग याई के पश्चिमी सीमान्त से उत्तरी फलड बैंक एबं रोड तक है।

(ग) उस स्थान से यह क्षेत्र उत्तर फलड बैंक एबं रोड के पश्चिमी किनारे तक फैला हुआ है। यहां पर यह सीमा रेखा न्यू वेस्ट कोस्ट रोड के पश्चिमी किनारे से आकर मिलती है।



(ब) उस स्थान से इसका क्षेत्र रेलवे मार्गलिंग यार्ड के पूर्वी सीमान्त से लेकर समुद्री तट से आने वाली सड़क के दक्षिणी किनारे तथा न्यू वेस्ट कोस्ट रोड के पश्चिमी किनारे तक फैला हुआ है।

(क) यहाँ से इस क्षेत्र का विस्तार न्यू वेस्ट कोस्ट रोड के पश्चिमी किनारे से लेकर रिवर बैंक रोड के उत्तरी किनारे तक है।

(ख) उस स्थान से इसका फैलाव रिवर बैंक रोड के उत्तरी किनारे से लेकर समुद्री तट तक है ;

(ग) इस स्थान से समुद्री तट पर इस सीमा रेखा की लम्बाई 45.72 मीटर है जिसका विस्तार जल की अधिकतम सीमा से लेकर अक्षांश रेखा से  $12^{\circ} 53' 37.3''$  उत्तर तथा  $74^{\circ} 48' 54.6''$  पूर्व तक है।

दक्षिण में:—इस स्थान से सीमा रेखा ठीक पश्चिम में, अक्षांश रेखा से  $12^{\circ} 53' 37.3''$  उत्तर, तथा उत्तर देशान्तर रेखा से  $74^{\circ} 43' 54.6''$  पूर्व में स्थित है यह अक्षांश रेखा के  $12^{\circ} 53' 37.3''$  उत्तर तथा देशान्तर रेखाओं के  $74^{\circ} 44' 23''$  पूर्व में है।

पश्चिम में:—यह सीमा रेखा  $12^{\circ} 53' 37.3''$  अक्षांश तथा उत्तर देशान्तर रेखा से  $74^{\circ} 44' 23''$  पूर्व पर मिलती है जो कि अक्षांश रेखा से  $13^{\circ} 00' 12.6''$  उत्तर देशान्तर  $74^{\circ} 43' 06''$  पूर्व में है।

ऊपर बतायी गई परिसीमा के अन्तर्गत समुद्री तट या किनारे जिसकी जल की अधिकतम सीमा का विस्तार 45.72 मीटर है, के अन्दर आने वाला प्रत्येक स्थान सभी प्रकार के घाट तथा भवन व इनके पहुँच मार्ग, जो कि यातायात की सुविधा, जहाजों की सुरक्षा बन्दरगाह के सरकारी माल के अनुसंधान, वह सुधार के लिए जनता के निमित्त बनाए गये हैं, चाहे व जल की अधिकतम सीमा के अन्दर है अथवा बाहर और चाहे व निजी सम्पत्ति अधिकार के अधीन हो, शामिल किए जायेंगे।

[अधि० सं 2-74-सी० सं०-8/48/200/73/परक-22-8]

Bangalore, the 21st September, 1974

(Customs)

**S.O. 2568.**—In exercise of the powers conferred upon me under section 8(b) of the Customs Act, 1962, I, R. B. Sinha Collector of Customs and Central Excise, Bangalore having jurisdiction over the State of Karnataka, hereby specify the limits of Customs area of the Major port of New Mangalore (Situated in a place locally called as Panambur near Mangalore) as stated below :—

On the north :—A line due East from a position in latitude  $13^{\circ} 00' 12.6''$  North, longitude  $74^{\circ} 43' 06''$  East to a position in latitude  $13^{\circ} 00' 12.6''$  North, Longitude  $74^{\circ} 47' 26.1''$  East.

On the East :—Thence along a line 45.72 Metres on the short from the high water mark upto the Northern acquisition boundary pillar of the harbour estate in position, Latitude  $12^{\circ} 56' 10''$  North Longitude  $74^{\circ} 48' 20.5''$  East ;

(b) Thence along the Western boundary of the railway Marshalling Yard to the Northern flood bank-cum-Road.

(c) Thence along the Southern edge of the northern flood bank-cum-Road to where it meets the Western edge of the New West Coast Road.

(d) Thence along the Eastern Boundary of the Railway Marshalling yard upto the Southern edge of the Road leading from the beach and on to the Western edge of the new West Coast Road.

(e) thence along the Western edge of the New West Coast Road to the Northern edge of the River Bank Road.

(f) Thence along the Northern edge of the River Bank Road to the Shore.

(g) Thence along a line 45.72 metres on the shore from high water mark upto a position in latitude  $12^{\circ} 53' 37.3''$  North, longitude  $74^{\circ} 48' 54.6''$  East.

On the South :—thence along a line due West from a position in latitude  $12^{\circ} 53' 37.3''$  North longitude  $74^{\circ} 48' 54.6''$  East to a position in latitude  $12^{\circ} 53' 37.3''$  North longitude  $74^{\circ} 44' 23''$  East.

On the West :—Line joining a position in latitude  $12^{\circ} 53' 37.3''$  North longitude  $74^{\circ} 44' 23''$  East to a position in latitude  $13^{\circ} 00' 12.6''$  North, longitude  $74^{\circ} 43' 06''$  East.

The abovementioned limits shall include all wharves and other works made on behalf of the public for convenience of traffic, for safety of vessels, or for the improvement, maintenance of goods government of the port and its approaches, whether within or without high water mark and subject to any rights of private property therein, any position of the shore or bank within 45.72 Metres of High water Mark.

[Notification No. C. No. VIII/48/200/73/Prak/22-8]

का० प्रा० 2569.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 8 (ए) के अन्तर्गत प्रवेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, धार० बी० सिन्हा समाहर्ता सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बंगलौर, एतद्वारा कर्नाटक राज्य के नये मंगलौर के बड़े बन्दरगाह के मन्त्र में अनुबन्ध में वर्णित स्थानों को माल लादने और उतारने के लिए अनुमोदित करता हूँ।

अनुबन्ध

बन्दरगाह का नाम	घाट की सं०	स्वामी का नाम	घाट की परिभाषा, निजी सरकारी सीमान्त के पूरे विवरण के साथ
1	2	3	4
नय मंगलौर का बड़ा बन्दरगाह	1	सरकारी	लम्बाई 594 मीटर
	2	—	—
	3	—	—
	4	—	105 मीटर
माल उतारने के स्थान का विवरण	घाट का माप, लम्बाई तथा चौड़ाई सहित	संबन्धित माल का विवरण	
6	7	8	
आयातित माल का निर्यात माल	—	सभी आयात के माल	
आयात	—	कच्चे लोहे और मैंगनीज का निर्यात	
निर्यात माल	—	कच्ची सामग्री तथा अन्य माल का आयात	
	—	समस्त निर्यात माल	

[अधि० सं० 1/74-परि० सं० 8/48/200/73]

धार० बी० सिन्हा, समाहर्ता

**S. O. 2569.**—In exercise of the powers conferred upon me under section 8(a) of the Customs Act, 1962, I, R.B. Sinha, Collector of Customs and Central Excise, Bangalore hereby approve the places for unloading and loading of goods as detailed in the annexure in respect of the Major port of New Mangalore port in the State of Karnataka.

Annexure to Notification No. 1/74 dated 21st September, 1974

Name of the port	No. of the wharf.	Name of the owners		Limits of the wharf including full details of boundaries.	Details of the landing place	Measurement of the wharf in length and breadth.	Particulars of goods deal with.
		Private	Govt.				
1	2	3	4	5	6	7	8
Major Port of New Mangalore.	1	—	Govt.	594 metres in length	landing of import goods	—	All import goods.
	2	—	"		Export goods	—	Export of Iron & Maganese Ore
	3	—	"		Import goods	—	Import of raw Materials and other import goods
	4	—	"	105 Metres	Export goods.	—	All export goods.

[Notification No. 1/74 C. No. VIII/8/200/73]

R. B. SINHA, Collector.

वाणिज्य मंत्रालय

(संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

मद्रास, 1 अक्टूबर, 1973

MINISTRY OF COMMERCE

Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports

ORDERS

Madras, the 1st October, 1973

**क्र०आ० 2570.**—सर्वश्री पैनकोरनर, 82, टाउन हाल रोड, मदुराई-1 को आयात नीति के अनुसार "एक्रिलिक प्लास्टिक शीटों की सीपवन किम्म" के आयात के लिए अप्रैल-मार्च, 1972 अवधि के लिए 4180 रुपये मूल्य का एक लाइसेंस सं०पी०एस/1780497/सी०/एक्स एक्स/42/एम/33-34 दिनांक 30.3.72 जारी किया गया था। फर्म ने लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए केवल इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस बिल्कुल भी उपयोग किए बिना खो गया। अस्थानस्थ हो गया है। अपने तर्कों के समर्थन में उन्होंने एक शपथपत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है या अस्थानस्थ हो गई है और उसकी अनुलिपि फर्म को जारी की जाए।

विध्याधीन लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

[संख्या : प्लास्टिक/491/ए० एम०-72/एस० एम० 2]

एम०एफ०आर० बिजली, उप-मुख्य नियंत्रक

**S.O. 2570.**—M/s. Pen Corner, 82, Town Hall Road, Madurai-I, were issued a licence bearing No. P/S/1780497/C/XX/42/M/33-34 dt. 30-3-72 for Rs. 4180/- for April, March, 1972 period for import of "Pearlascent Variety of Acrylic Plastic Sheets" as per Policy. The firm have applied for issue of a duplicate copy of the Exchange Control Copy of the licence only on the ground that the original licence has been lost/misplaced without having been utilised at all. In support of their contention they have filed an affidavit.

I am satisfied that the Exchange Control Copy of the original licence has been lost or misplaced and a duplicate of the same may be issued to the firm.

The original Exchange Control Copy of the licence in question is hereby cancelled.

[F. No. Plastic/491/AM-72/S.S. II]

M. F. R. BIJLI, Dy. Chief Controller

भारत, 14 मार्च, 1974

(केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

आदेश

नई दिल्ली 19 जुलाई, 1974

क्र० प्रा०—2571. सर्वश्री शान्तिनाथ छगन लाल एंड क०, 397 शेख मेमन स्ट्रीट, बम्बई-2 को अप्रैल-मार्च 1972 की नीति पुस्तक के अनुसार गेराज औजारों के आयात के लिए 1497 रु० (एक हजार चार सौ सत्तानवे रुपये मात्र) का लाइसेंस सं० पी/ई/0205033 दिनांक 23-11-71 स्वीकृति किया गया था।

उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति (केवल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस की उक्त मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति का पूरी धन राशि के लिए साख पत्र खोलने के लिए उपयोग किया गया है।

अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं० 0205033 दिनांक 23-11-71 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है और निदेश देता हूँ कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति जारी की जानी चाहिए।

लाइसेंस की मूल विनियम नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है।

[फा सं० 1782/275 बी० 4/588952/एएम-72/ई आई-2]

डी० के० खोसला,

उप-मुख्य नियंत्रक,

नूतने मुख्य नियंत्रक

Bombay, the 14th March, 1974

**S.O. 2571.**—M/s. Shantilal Chhaganlal & Co., 397 Shelkh Memon Street, Bombay-2 has been granted Licence No. P/E/0205033 dated 23/11/71 for Rs. 1497/- (Rs. One thousand four hundred Ninety Seven only) for import of Garage Tools as per AM. 72 Policy Book.

They have applied for duplicate copy of the said licence (Exchange purpose only) on the ground that the original Exchange control copy has been lost/misplaced.

It is further stated that the said original Exchange Control purpose copy of the licence has been utilised for opening L/C for the full amount.

In support of their claim, applicant has filed an affidavit.

I am satisfied that the Exchange Control purpose copy of the Licence No. 0205033 dated 23/11/71 has been lost/misplaced and direct that the duplicate of the said Exchange control copy of the licence should be issued to the applicant firm.

The original Exchange Control purpose copy of the licence is cancelled.

[F. No. 1782/275-B-IV/588952/Am. 72/BI-II]

D. K. KHOSLA, Dy. Chief Controller.  
for Chief Controller.

क्र० प्रा० 2572.—सर्वश्री इंडियन इंडस्ट्रियल कारपोरेशन, बस्ती गुजा, जलन्धर नगर को आर०ई०पी० श्रेणी के अन्तर्गत सामान्य मुद्रा क्षेत्र से कार्बन की 0.3% से अधिक मात्रा के साथ छल्लों, षड्भुजाकार समतल पट्टों और वर्गाकार टुकड़ों में कार्बन इस्पात के लिए 100000 रुपये मूल्य का लाइसेंस सं० पी०/एल०/2661220/2/दिनांक 25-7-73 प्रदान किया गया था।

उन्होंने लाइसेंस की दोनों प्रतियों को इस आधार पर समर्पित किया है कि वे उन का उपयोग करने के इच्छुक नहीं हैं। इस लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति बिल्कुल भी उपयोग किए बिना खो गई/अस्थानस्थ हो गई बताई गई है।

उपर्युक्त कथन के समर्थन में आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण, नियम तथा क्रियाविधि हैंडबुक 1974-75 के पैरा 320 के अन्तर्गत यथाप्रोक्षित एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

आयात नियंत्रण आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के खंड 9 (सी सी) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं लाइसेंस की उक्त मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

[संख्या इम्प्रेस्ट लाइसेंस 56 एएम-73 एस सी-6/सी एल ए/601]

ए०टी० मुखर्जी, उप-मुख्य नियंत्रक,

नूतने संयुक्त मुख्य नियंत्रक

(Central Licensing Area)

ORDER

New Delhi, the 19th July, 1974

**S.O. 2572.**—M/s. Indian Industrial Corporation, Basti Guzan, Jullundur City were granted licence No. P/L/2661220 dt. 25-7-73 for Rs. 100000/- from G.C.A. under R.E.P. Category for import of Carbon Steel with Carbon Contents Higher than 0.3 per cent in Rounds, Hexagonal Flates and Squares.

They have surrendered both the copies of licence on the ground that they do not intend to utilise the same. The Customs Purposes copy of this licence is stated to have been lost/misplaced without having been utilised at all.

The applicant has filed affidavits in support of the above statement as required under para 320 of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1974-75. I am satisfied that the original Customs purposes copy of the said licence has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9 (XX(CC)) of Import Control Order, 1965 dated 7-12-1955, I order the cancellation of the said original customs copy of the licence.

[No. Imprest/Lic/56/A.M. 73/SC-VI/CLA/601]

A. T. MUKHERJEE, Dy. Chief Controller

for Jt. Chief Controller

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1974

क्रा० प्रा० 2573.—सर्वश्री माइनिंग एंड एलाइड मशीनरी कारपोरेशन लि०, पी० ओ० दुर्गापुर, जिला बर्दवान को लाइसेंस के लिए संलग्न सूची के अनुसार कच्चे माल/संघटकों के आयात के लिए 29,00,000/-रु० का एक आयात लाइसेंस संख्या पी/डी/2182890, दिनांक 12-8-71 स्वीकृत किया गया था।

2. अब फर्म द्वारा यह बताया गया है कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रति या तो खो गई है और या अस्थानस्थ हो गई है। वह सीमाशुल्क समाहर्ता कलकत्ता के पास पंजीकृत कराई गई है और 5,10,040 रुपये मात्र तक के लिए उसका आंशिक रूप में उपयोग कर लिया गया है। पार्टी ने अब शेष अप्रयुक्त 23,89,960/-रुपये के लिए अनुमिति सीमाशुल्क प्रति के लिए निवेदन किया है।

3 अपने निवेदन के समर्थन में उन्होंने एक शपथपत्र दाखिल किया है और अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी/डी/2182890, दिनांक 12-5-71 की सीमाशुल्क प्रति खो गई अथवा अस्थानस्थ हो गई है और निवेश देता है कि उन्हें अनुमिति लाइसेंस जारी किया जाना चाहिए मूल सीमाशुल्क प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

[संख्या : मैक-एम/1(8)/एम-71/आर एम-4]

आई० सी० चुनिकत,

उप-मुख्य नियंत्रक

Office of the Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi

ORDERS

New Delhi, the 24th September, 1974

S.O. 2573.—M/s. Mining and Allied Machinery Corporation Ltd., P.O. Durgapur Dist. Burdwan were granted an Import licence No. P/D/2182890 dt. 12-8-71 for import of Raw Materials/Components as per list attached worth of Rs. 29,00,000.

2. It has now been reported by the firm that the Original Customs Copy of the above said licence has either been misplaced or lost. It has been Registered with Collector of Customs Calcutta and has been partly utilised to the extent of Rs. 5,10,040/- only. The party has now requested to issue Duplicate Customs Copy for the balance un-utilised amount Rs. 23,89,960/-.

3. In support of their request they have furnished an affidavit and the undersigned is satisfied that customs copy of the licence No. P/D/2182890 dt. 12-5-71 has been misplaced or lost and directs that Duplicate licence may be issued to them. The original customs copy is hereby cancelled.

[No. Mach—M 1(8)/AM-71/RM-4]

I. V. CHUNIKATH, Dy. Chief Controller

क्रा० प्रा० 2574.—सर्वश्री निप्पन इलेक्ट्रॉनिक (इंडिया) प्रा० लि०, पोस्ट बॉक्स नं० 1905, बुल टेम्पल रोड, बंगलूर-19 को इलेक्ट्रॉनिक संघटकों के विनिर्माण के लिए कच्चे माल/संघटकों के आयात के लिए बारहवें येन क्रेडिट के अधीन 1,50,000/-रुपये मात्र मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/डी/2195815/एम/जे एन/49/एच 37-38/रेडियो दिनांक 24-12-73 प्रदान किया गया था।

2. उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुमिति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति उन से खो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा यह भी सूचना दी गई है कि लाइसेंस पर 1,50,000/-रुपये का उपयोग करना शेष था। लाइसेंस सीमाशुल्क कार्यालय, मद्रास में पंजीकृत किया गया था।

3. अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस सं० पी/डी/2195815

दिनांक 24-12-73 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है और निवेश देता है कि इस की अनुमिति आवेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति रद्द की जाती है।

4. लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुमिति अलग से जारी की जा रही है।

[स रेडियो/19/3/73-74/आर एम-2]

आई० सी० चुनिकत,

उप-मुख्य नियंत्रक

रुक्ते मुख्य नियंत्रक,

S.O. 2574.—Nippon Electronic (India) Pvt. Ltd., Post Box No. 1905, Bull Temple Bangalore-19, were granted Import Licence No. P/D/2195815/S/JN/49/H/37-38/Radio dated 24-12-73 under 12th Yen Credit for import of Raw Materials/Components for the manufacture of Electronic Components valued at Rs. 1,50,000/- only.

2. They have requested for the issue of duplicate Customs Purposes Copy of the above said licence on the ground that the original Customs Purposes Copy has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence had an unutilized balance of Rs. 1,50,000/- only. The licence was registered with Madras Custom House.

3. In support of their contention, the applicants have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs Purposes Copy of Import Licence No. P/D/2195815 dated 24-12-73 has been lost and directs that a Duplicate Customs Purposes Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Customs purposes Copy is cancelled.

4. The Duplicate Customs Purposes Copy of the licence is being issued separately.

[No. Radio/19/3/73-74/RM. II]

I. V. CHUNIKATH, Dy. Chief Controller

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1974

क्रा० प्रा० 2575.—सर्वश्री साहनी स्टील एंड प्रेसवर्क्स प्राइवेट लि०, 27, किरोली, विद्या विहार स्टेशन के पास बम्बई-86 को एक लाख रुपये मूल्य के पत्र मिश्रधातु इस्पात और पचास हजार रुपये मूल्य के लाइसेंस से संलग्न सूची के अनुसार परीक्षण औजारों के आयात के लिए 1,50,000/-रुपये मूल्य का एक लाइसेंस सं० पी/डी/2195238/आर आई एन/49/एच/37-38 दिनांक 19-11-73 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुमिति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रतियां उनसे खो गई हैं। लाइसेंसधारी द्वारा यह भी सूचना दी गई है कि सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकरण में पंजीकृत कराए बिना खो गई है और यह कि उसका उपयोग बिल्कुल भी नहीं किया गया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी/डी/2195238/आर आई एन/49/एच/37-38 दिनांक 19-11-73 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति अस्थानस्थ हो गई/खो गई है और निवेश देता है कि इन की अनुमिति प्रतियां उनको जारी की जानी चाहिए। मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति/मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है। आयात लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति/मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुमिति प्रतियां अलग से जारी की जा रही हैं।

[संख्या ट्रांसफर 5(1)/73-74/आर एम 6]

एन० सी० काजीलाल,

उप-मुख्य नियंत्रक

New Delhi, the 29th August, 1974

S.O. 2575.—M/s. Sahney Steel & Pressworks Private Ltd., 27, Kirol, Near Vidya Vihar Stn., Bombay-86 were granted Licence No. P/D/2195238/R/IN/49/H/37-38 dt. 19-11-73 for Rs. 1,50,000 for import of Tool Alloy Steel for Rs. one lakh and testing instruments as per list attached thereto for Rs. fifty thousand. They have requested for issue of duplicate Customs & Exchange Control Purposes copies of the said licence on the ground that original Customs & Exchange Control purposes copies have been misplaced by them. It has further been reported by the licensee that the Customs/Exchange Purposes copies have been misplaced without having been registered with any Customs authority and that the same has not been utilised at all.

In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs/Exchange Control Purposes Copies of the licence No. P/D/2195/238/R/N/H/37-38 dated 19-11-73 have been misplaced/lost and directs that duplicate Customs/Exchange Control Purposes Copies of the said licence should be issued to them. The Original Customs/Exchange Control purposes copies are cancelled. Duplicate Customs/Exchange Control Purposes copies of the import licence are being issued separately.

[No. Transf. 5(1)/73-74/RM6]

N. C. KANJILAL,  
Dy. Chief Controller

प्रादेश

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1974

क्रा० प्रा० 2576.—सर्वश्री एयर इंडिया, बम्बई एयर पोर्ट, सान्ताक्रुज, (ईस्ट), बम्बई को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से, संलग्न सूची के अनुसार वायुयान फालतु पुर्जों एवं सामग्री के आयात के लिए 20,00,000 रुपये के लाघत बीमा भाड़ा मूल्य के लिए आयात लाइसेंस संख्या जी/ए/ 1058385 दिनांक 7-2-73 प्रदान किया गया था। यह मरम्मत करने के बाद भी प्राप्त किए गए माल के आयात के लिए वैध था। उन्होंने लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति भाग में बर्बाद हो गई है। विषयाधीन लाइसेंस बम्बई सीमाशुल्क के पास पंजीकृत कराया गया है और उसकी कुल धनराशि का 3,20,540 रुपये तक उपयोग कर लिया गया है।

2. अपने उक्त तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस संख्या जी/ए/1058385 दिनांक 7-2-73 की मूल सीमाशुल्क भाग में बर्बाद हो गई है और यह कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति 16,69,460 रुपये के लिए जारी की जाए और यह कि मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति रद्द की जाती है।

[संख्या : 22/एयर/72-73/एम एल-2/187]

जे० शंकर, उप-मुख्य नियंत्रक,  
नूतन मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 23rd September, 1974

S.O. 2576.—M/s. Air-India, Bombay Airport, Santa Cruz (East), Bombay, were granted the Import Licence No. G/A/1058385, dt. 7-2-73 for the import of Aeroplane spares

and materials as per list attached for a C.I.F. Value of Rs. 20,00,000 from GCA this was also valid for import of goods received after repairs. They have now requested for the issue of a duplicate Custom Purpose copy of the licence on the ground that the original Custom Purpose Copy of the licence has been destroyed by me. The licence in question has been registered with Bombay Customs and total amount utilised is Rs. 3,20,540.

2. In support of their above said contention the applicant have submitted an affidavit. I am satisfied that the original Custom Copy of the Import licence No. G/A/1058385, dt. 7-2-73 has been destroyed by fire and that a duplicate Custom copy of the said licence for Rs. 16,79,460/- may be issued to the applicant and that the original Customs purpose copy are cancelled.

[F. No. 22/Air/72-73/ML-387]

J. SHANKER, Dy. Chief Controller.  
for Chief Controller

प्रादेश

क्रा० प्रा० 2577.—सर्वश्री इन्डस्ट्रियल ऑक्सीजन कम्पनी प्रा० लि० पूना को जर्मनी जन-वादी गणतन्त्र से ताप विनियम यंत्रों और अन्य उपसाधकों के सेट के साथ वायु पृथक्कारी सतम्भ और संयोजी इंजन प्रत्येक की एक एक संख्या के आयात के लिए 2,09,550 रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/सी/ 2063949/टी/ई/आर/44/एच/33-34 दिनांक 1-7-72 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि (सीमाशुल्क निकासी प्रति) को जारी करने के लिए उस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस (सीमाशुल्क निकासी प्रति) का प्रांशिक उपयोग होने के बाद और बम्बई सीमाशुल्क प्राधिकारियों से पंजीकृत कराने के बाद खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

2. तबनुसार, मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल प्रति (सीमाशुल्क निकासी प्रति) खो गई है। इसलिए यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आवेदन, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 (सी सी) द्वारा प्रवर्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री इन्डस्ट्रियल ऑक्सीजन कम्पनी प्रा० लि०, पूना को जारी किए गए उक्त लाइसेंस सं० पी/सी/2063949/टी/ई/आर/44/एच/33-34 दिनांक 1-7-74 को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

3. उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति (सीमाशुल्क निकासी प्रति) लाइसेंस धारी को प्रलग से जारी की जा रही है।

[संख्या सी०जी० 3/19(139-139-ए)/71-72/3245]

एम० ए० शेषन, उप-मुख्य नियंत्रक,  
नूतन मुख्य नियंत्रक

ORDER

S.O. 2577.—M/s. Industrial Oxygen Company Pvt. Ltd., Poona were granted an import licence No. P/C/2063949/T/ER/44/H/33-34 dated 1-7-1972 for Rs. 2,09,550/- for the import of one No. each of Air Separator Column and expansion engine with set of heat exchangers and other accessories from German Democratic Republic. They have applied for the issue of duplicate (Customs Purposes Copy) of the said licence on the ground that the original (Customs Purposes Copy) has been lost/misplaced having been partly utilised and registered at Bombay Customs authorities. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit.

2. I am accordingly satisfied that the original (customs purposes copy) of the said licence has been lost. Therefore, in exercise of powers conferred under sub-clause 9(cc) of

the Import (Control) order 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said licence No. P/C/2063949/T/ER/44/H/33-34 dated 1-7-1972 issued to M/s. Indian Oxygen Company Pvt. Ltd., Poona is hereby cancelled.

3. A duplicate licence (customs Purposes copy) of the said licence is being issued separately to the licensee.

[No. CG. III/19(139-139-A)/71-72/3245]

S. A. SESHAN, Dy. Chief Controller.  
for Chief Controller

औद्योगिक विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1974

क्रा० प्रा० 2578.—केन्द्रीय सिल्क बोर्ड अधिनियम 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उप-धारा (3) के (क) में विहित शक्तियों

औद्योगिक विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय  
(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1974

क्रा० प्रा० 2579.—भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3 उपखण्ड 2 दिनांक 11 अगस्त, 1962 में प्रकाशित तत्कालीन वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या 2561 दिनांक 26 जुलाई 1962 का अधिक्रमण करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे दिए गए उत्पादों की मुहरांकन फीसों में परिवर्तन किया गया है। ये परिवर्तित मुहरांकन फीसों जिनके बारे में नीचे अनुसूची में दिये हैं, 1 जून 1974 से लागू हो जाएंगी:—

#### अनुसूची

क्रम उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी सं०	सम्बन्धी भारतीय मानक की पत्रसंख्या और शीर्षक	इकाई	मुहरांकन फीस
1. टारट्राजीन	IS: 1694-1960 टारट्राजीन की विनिष्ट	एक किग्रा०	20 पैसे
2. सूर्यास्त पीला (खाद्य रंग)	IS: 1695-1960 सूर्यास्त पीला (खाद्य रंग) की विनिष्ट	एक किग्रा०	20 पैसे
3. एमेरेथ	IS: 1696-1960 एमेरेथ की विनिष्ट	एक किग्रा०	20 पैसे

[संख्या सी एम डी/13:10]

#### MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT SCIENCE & TECHNOLOGY (Indian Standards Institutions)

New Delhi, the 23rd September, 1974.

S. O. 2579.—In supersession of the then Ministry of Commerce and Industry (Indian Standards Institution) notification No. 2561 dated 26 July 1962, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 11 August 1962, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fees per unit for the following products have been revised. The revised rate of marking fees, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, shall come into force with effect from 1 June, 1974:

#### SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Tartrazine	IS: 1694-1960 Specification for tartrazine	One kg	20 Paise
2.	Sunset yellow FCF	IS: 1695-1960 Specification for sunset yellow FCF	One kg	20 Paise
3.	Amaranth	IS: 1696-1960 Specification for amaranth	One kg	20 Paise

[No. CMD/13:10]

का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एस० मुनिराजू की 8 अप्रैल, 1976 तक की अवधि के लिये केन्द्रीय सिल्क बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करती है।

[क्रा सं० 25/1/73/सी० एंड एस०]

ज० ग० राजाध्यक्ष, उप सचिव

#### MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 23rd September, 1974


S.O. 2578.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-Section (3) of Section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri S. Muniraju as Chairman of the Central Silk Board for the period upto and including the 8th April, 1976.

[F. No. 25/1/73/C&S]

J. G. RAJADHYAKSHA, Dy. Secy.

क्र० प्र० 2580.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिस मानक चिह्न की डिजाइन, उसके शारिदिक विवरण तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है, वह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न 1 जुलाई 1974 से लागू हो जाएंगे।


अनुसूची		
क्रम मानक सं०	चिह्न की डिजाइन उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक मानक चिह्न की डिजाइन का शारिदिक विवरण
1. IS : 1486	ताम्र ऑक्सीक्लोराइड तकनीकी	IS : 1486-1969 ताम्र ऑक्सीक्लोराइड तकनीकी की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)
		
भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'isi' शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या की गई है।		

[सं० सीएमबी/13.9]

S. O. 2580.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1 July, 1974.

## SCHEDULE

Sl No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. IS:1486		Copper oxychloride, technical	IS:1486-1969 Specification for copper oxychloride, technical (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2) the number of the Indian Standard being inscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No.CMD/13:9]

क्र० प्र० 2581.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि ताम्र ऑक्सीक्लोराइड तकनीकी की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस नीचे अनुसूची में दिए गए व्योरे के अनुसार निर्धारित की गई है। ये फीस 1 जुलाई, 1974 से लागू हो जाएगी।

## अनुसूची

क्रम सं०	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
1.	ताम्र ऑक्सीक्लोराइड, तकनीकी	IS : 1486-1969 ताम्र ऑक्सीक्लोराइड तकनीकी की विनिर्दिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटर टन	₹ 5.00

[सं० सीएमबी/13 : 10]

S. O. 2581.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for copper oxychloride, technical, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1 July, 1974.

## SCHEDULE

Sl No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Copper oxychloride, technical	IS:1486-1969 Specification for copper oxychloride, technical (first revision)	One Tonne	Rs. 5.00

[No.CMD/13:10]

क्रा० ब्रा० 2582—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस नीचे अनुसूची में दिए गए व्योमों के अनुसार निर्धारित की गई हैं। ये फीस आगे दिखाई गई तिथियों से लागू हो जाएंगी।

## अनुसूची

क्रम	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पद-संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	रसायन उद्योग के लिए बुझा चूना	IS : 1540 (भाग 2)-1970 रसायन उद्योग के लिए क्ली चूने और बुझे चूने की विनिर्दिष्ट, भाग 2 बुझा चूना (पहला पुनरीक्षण)	एक मीटरी टन	रु० 1.00	1 जुलाई, 1974
2.	खनिकों की टोपी-बतियां	IS : 5679-1970 खनिकों की टोपी बतियों की विनिर्दिष्ट	एक खनिक टोपी	(1) पहली 15,000 इकाइयों के लिए 20 पैसे प्रति इकाई, अथवा (2) शेष इकाइयों के लिए 10 पैसे प्रति इकाई।	16 जुलाई, 1974

[सं० सीएमडी/13:10]

S. O. 2582.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for various products, details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee shall come into force with effect from the dates shown against each.

## SCHEDULE

Sl No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
1	2	3	4	5	6
1.	Hydrated lime for chemical industry	IS:1540 (Part II)-1970 Specification for quick lime and hydrated lime for chemical industry Part II Hydrated lime (first revision)	One Tonne	Rs. 1.00	1 July, 1974.
2.	Miners' cap lamps	IS:5679-1970 Specification for miners' cap lamps	One Miners' cap lamp	(i) 20 Paise per unit for the first 15,000 units and (ii) 10 Paise per unit for the subsequent units	16 July, 1974.

[No.CMD/13:10]

क्रा० ब्रा० 2583—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस नीचे अनुसूची में दिए गए व्योमों के अनुसार निर्धारित की गई हैं। ये फीस 1 जून, 1974 से लागू हो जाएंगी।



## अनुसूची

क्रम सं०	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बन्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
1	2	3	4	5
1.	एरिथ्रोसीन	IS : 1697-1960 एरिथ्रोसीन की विशिष्टि	एक कि०ग्रा०	20 पैसे
2.	नील कार्मीन	IS : 1698-1960 नील कार्मीन की विशिष्टि	एक कि०ग्रा०	20 पैसे
3.	पॉन्सो 4 धार	IS : 2558-1963 पॉन्सो 4 धार की विशिष्टि	एक कि०ग्रा०	20 पैसे
4.	कारमोयसीन	IS : 2923-1964 कारमोयसीन की विशिष्टि	एक कि०ग्रा०	20 पैसे
5.	पस्का लाल ई	IS : 2924-1964 पस्का लाल ई की विशिष्टि	एक कि०ग्रा०	20 पैसे

[सं० सीएमडी/13 : 10]

S. O. 2583—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per units for various products, details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee shall come into force with effect from 1 June, 1974.

## SCHEDULE


Sl No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
1	2	3	4	5
1.	Erythrosine	IS:1697-1960 Specification for erythrosine	One kg	20 Paise
2.	Indigo carmine	IS:1698-1960 Specification for indigo carmine	One kg	20 Paise
3.	Ponceau 4R	IS:2558-1963 Specification for ponceau 4R	One kg	20 Paise
4.	Carmoisine	IS:2923-1964 Specification for carmoisine	One kg	20 Paise
5.	Fast red E	IS:2924-1964 Specification for fast red E	One kg	20 Paise




[No.CMD/13:10]

क्र० घा० 2584—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के 4 उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिह्नों के बिजाइन, उनके शाब्दिक विवरणों तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षकों सहित नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न 1 जून, 1974 से लागू हो जाएंगी।

## अनुसूची I

क्रम संख्या	मानक चिह्न की बिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1	2	3	4	5
1.		एरिथ्रोसीन	IS : 1697-1960 एरिथ्रोसीन की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा बिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और शब्द 'फूड कलर' प्रकृत है।


1	2	3	4	5
2.		नील कार्मिन	IS : 1698-1960 नील कार्मिन की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और शब्द 'फूड कलर' प्रंकित है।
3.		पॉन्सो 4 आर	IS : 2558-1963 पॉन्सो 4आर की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और शब्द 'फूड कलर' प्रंकित है।
4.		कारमोसीन	IS : 2923-1964 कारमोसीन की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और शब्द 'फूड कलर' प्रंकित है।
5.		पक्का लाल ई	IS : 2924-1964 पक्का लाल ई की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और शब्द 'फूड कलर' प्रंकित है।





[सं० सीएमडी/13-9]

S.O. 2584.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title (s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1 June, 1974.

## SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1.		Erythrosine	IS:1697-1960 Specification for erythrosine	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.


2. IS:1698	Indigo carmine	IS:1698-1960 Specification for indigo carmine	The monogram of the Indian Standard Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.
			
3. IS:2558	Ponceau 4R	IS:2558-1963 Specification for ponceau 4R	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2) the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.
			
4. IS:2923	Carmoisine	IS:2923-1964 Specification for carmoisine	The monogram of the Indian Standard Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2): the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.
			
5 IS:2924	Fast red E	IS:2924-1964 Specification for fast red E	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.
			

[No. CMD/13 : 9]

क्र० अ० 2585.—भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3 उपखंड 2 दिनांक 30 मार्च, 1974 में प्रकाशित औद्योगिक विकास विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिनियम संख्या एन० ओ० 845 दिनांक 13 मार्च, 1974 के प्रांशिक संशोधन के रूप में भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि एलुमिनियम फास्फाइड की टिकियों की मानक डिजाइन में परिवर्तन किया गया है। ये परिवर्तित मानक डिजाइन और तत्सम्बन्धी भारतीय मानक का शीर्ष तथा शब्दिक विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त यह मानक चिह्न 16 नवम्बर, 1974 से लागू हो जायेगा।

## अनुसूची


क्रम सं० मानक चिह्न उत्पाद/उत्पाद की वर्गी की डिजाइन	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शब्दिक विवरण
1 IS 6438 	एलुमिनियम फास्फाइड की टिकियाँ IS:6438:1972 एलुमिनियम फास्फाइड की टिकियों की चिह्नित	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और ऐसा डिजाइन में दिखाया है मोनोग्राम में ऊपर ऊपर की ओर भारतीय मानक की पंक्तियों की गई है।

[सं० सी० एम० ओ०/13:9]

S.O. 2335.—In partial modification of the Ministry of Industrial Development, Science & Technology (Indian Standards Institution) notification No. S.O. 845 dated 13 March 1974, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 30 March 1974, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the design of the Standard Mark for aluminium phosphide table has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following schedule:

This Standard Mark, for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 16 November 1974:

## THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1. IS: 6438		Aluminium phosphide tables	IS: 6438-1962 Specification for aluminium phosphide tablets	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in exact style and relative proportions as indicated in Col. (2) the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as in indicated in the design.

[No. CMD/13:9]

क्रा०स्रा० 2586.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिह्नों के डिजाइन, उनके शाब्दिक विवरणों तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षकों सहित नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किये गये हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न उनके घाने की गई तिथियों से लागू हो जायेंगे।

## अनुसूची




क्रम सं०	मानक चिह्न उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी की डिजाइन	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण और शीर्षक	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5
1. IS : 1540	रसायन उद्योग के लिये बुझा चूना	IS : 1540 (भाग-2) 1970 रसायन उद्योगों के लिये कली चूने और बुझे चूने की	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं और स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम में ऊपर की ओर भारतीय मानक की परसंख्या तथा नीचे की ओर ग्रेड 'ए' और ग्रेड 'बी०' अंकित है।	1 जुलाई, 1974
(II) ग्रेड ए				
2. IS : 1540		विशिष्ट : भाग 2 बुझा चूना (पहला पुनरोद्धार)		
(II) ग्रेड ए				
3 IS : 5679	खनिजों की टोपी बलियां	IS : 5679-1970 खनिजों की भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें टोपी बलियों की विशिष्ट	ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम में ऊपर की ओर भारतीय मानक की परसंख्या दी गई है।	16 जुलाई, 1974

[सं० सी० एम० सी०/74/13:9]

S.O. 2586.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the (Standard Mark) (s), design (s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from dates shown against each:

## SCHEDULE

Sl No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS: 1540(II)		Hydrated lime for chemical industry	IS:1540 (Part II)-1970 Specification for quick lime and hydrated lime for chemical industry Part II Hydrated lime (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being super-scribed on the top side and the words 'GRADE A' and 'GRADE B' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the designs.	1 July 1974
2. IS: 1540 (II)					
3. IS:5679		Miners' cap lamps	IS: 5679-1970 Specification for miners' cap lamps	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being super-scribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	16 July 1974

[No. CMD/13:9]

क्रा०पा० 2587—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि कागज चेपी पदार्थ की प्रति हवाई मुहर लगाने के फीस नीचे अनुसूची में दिये गये ब्यौरे के अनुसार निर्धारित की गई है। ये फीस 1 अगस्त, 1974 से लागू हो जायेगी।

## अनुसूची

क्रम सं०	उत्पाद	उत्पाद की श्रेणी	सम्बन्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	हवाई	प्रति हवाई मुहर लगाने की फीस
1.	तरल गोंद और कार्यालयों के लिये लेईनुमा कागज चेपी पदार्थ		IS : 2257-1970 तरल गोंद और कार्यालयों के लिये लेईनुमा कागज चेपी पदार्थ की विधिष्ट	एक सीटर	2 पैसे

[सं० सी० एम० डी०/13:10]

S.O. 2587.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for paper adhesives, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with affect from 1 August 1974:

## THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per Unit
1.	Paper adhesives, liquid gum and paste type	IS- 2257-1970 Specification for paper adhesives, liquid gum and office paste type	One Litre	2 Paise

[No. CMD/13:10]

क्रा०पा० 2588.—भारत के राजपत्र भाग II खंड 3, उद्देश्य 2 दिनांक 11 अगस्त, 1972 में प्रकाशित कृतान्तरण विनियम तथा उद्योग मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या 2560 दिनांक 26 जुलाई, 1962 का अधिसूचना करने हुये भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नीचे दिये उत्पादों के मानक चिह्नों में परिवर्तन किया गया है। इन परिवर्तित मानक चिह्नों की डिजाइन और सम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षक तथा शब्दिक विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों में निम्नित ये मानक चिह्न 1 जून 1974 से लागू हो जायेगे।

## अनुसूची




क्रम सं० मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	सम्बन्धी भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शब्दिक विवरण
1	2	3	4
1. IS 1694 फूड कलर	टार्ट्राजिन	IS 1694-1960 टार्ट्राजिन की विशिष्टता	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें आई० एस० आई० गठन हो रहा है स्तम्भ (2) में डिजाईन की गई है और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और शब्द 'फूड कलर' प्रकट है।
2 IS 1695 फूड कलर	सूर्यास्त पीला (खाद्य रंग)	IS : 1695-1960 सूर्यास्त पीला खाद्य रंग की विशिष्टता	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें आई० एस० आई० गठन हो रहा है स्तम्भ (2) में डिजाईन की गई है और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और शब्द 'फूड कलर' प्रकट है।
3 IS 1696 फूड कलर	एमेरेथ	IS 1696-1960 एमेरेथ की विशिष्टता	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें आई० एस० आई० गठन हो रहा है स्तम्भ (2) में डिजाईन की गई है और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और शब्द 'फूड कलर' प्रकट है।

[सं० 13/94/100]

S. O. 2588.—In supersession of the the Ministry of Commerce and Industry (Indian Standards Institution) notification No. S.O. 2560 dated 26 July 1962, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 11th August 1962, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Marks for the following products have been revised. The revised designs of the Standards Marks together with the title of the relevant Indian Standards and verbal description of the designs are given in the following Schedule.

These Standards Marks for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1st June, 1974:

## SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. & Title of Relevant Indian Standards	Verbal description of the design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1. IS: 1694 FOOD COLOUR		Tartrazine	IS:1694-1960 Specification for tartrazine	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.
2. IS: 1695 FOOD COLOUR		Sunset yellow FCF	IS : 1695-1960 Specification for sunset yellow FCF	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.
3. IS: 1696 FOOD COLOUR		Amaranth	IS: 1696-1960 Specification for amaranth	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13/9]

क्रा० प्रा० 2589—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से शिष्टाचारित किया जाता है कि निम्न मानक चिह्न की डिजाइन, उचित गणितीय विवरण तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है, भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1952 और उनके अधीन की नियमों के तहत यह मानक चिह्न 1 अगस्त, 1974 में लागू हो जायेगी।

## अनुसूची

क्रम सं०	मानक चिह्न का डिजाइन	उत्पाद/वस्तु की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पदसूची और शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1	2	3	4	5
1.	IS : 2257 टाइप बी	तरल गोंद और कार्यालयों के लिये लिपिबद्धता कागज चिपरी पदार्थ	IS : 2257-1974 तरल गोंद और कार्यालयों के लिये लिपिबद्धता कागज चिपरी पदार्थ की विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'आई० एम० आई०' शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मान की पदसूची और नीचे की ओर शब्द "टाइप बी" अंकित है।



[सं० सी० एम० डी०/13:9]

S. O. 2589.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in this Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1st August 1974;

## SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1.	IS : 2257 Type B	Paper adhesives, liquid gum and office paste type	IS : 2257-1970 Specification for paper adhesives, liquid gum and office paste type (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side and the word 'TYPE B' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.



[No. CMD/13:9]

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1974

क्रा० प्रा० 2590—वर्तमान समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि IS : 936-1965 भूमिगत हाइड्रेंट नल, दो वाल्व वाले (पुनरीक्षित) जिसके द्वारे भारत के राजपत्र भाग II खंड 3 उपखंड 2, दिनांक 9 अप्रैल, 1966 में अधिसूचना संख्या एम० ओ० 1081 दिनांक 25 मार्च, 1966 के अन्तर्गत प्रकाशित हुये थे, रद्द कर दिया गया है। इस मानक से निम्न प्रकार के हाइड्रेंट नलों को लिया गया था, उनको पहले ही IS : 900-1965 भूमिगत हाइड्रेंट नल, स्लुस वाल्व वाले (पुनरीक्षित) में परिवर्तित कर लिया गया है।

[सं० सी० एम० डी०/13:7]

ए० के० गुप्ता, कार्यवाहक महानिदेशक,

New Delhi, the 24 September, 1974

S. O. 2590.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, it is hereby notified that IS : 936-1965 specification for underground fire hydrant, double valve type (revised), of which details were published under notification No. S.O. 1081 dated 25th March 1966, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) of 12th April 1966, has been cancelled. The type of hydrants covered in this standard are already covered in IS : 900-1965 Specification for underground fire hydrant, sluice valve type (revised).

[No. CMD/13:7]

A. K. GUPTA, Acting Director General

## इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 19 सितम्बर 1974

क्रा० प्रा० 2591.—यह केन्द्रीय सरकार यह महसूस करती है कि इससे उपाबन्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला प्राप्त होने की संभावना है ;

अतः, अब कोयलाधारी क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) के खंड 4 के उपखंड (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भूमि में कोयले के लिए पूर्वोक्त करने संबंधी अपने निश्चय की एतद्वारा सूचना देती है ।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के नक्शे का राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), बरभंगा हाउस, रांची अथवा कलक्टर का कार्यालय, धनकनाल (उड़ीसा) अथवा कोयला नियंत्रक कार्यालय, 1, कौंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है ।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आई भूमि में रुचि रखने वाले सभी व्यक्ति कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में उल्लिखित सभी नक्शे, चार्ट, और अन्य कागजात राजस्व अधिकारी, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड, दरभंगा हाउस, रांची को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के अन्दर-अन्दर प्रस्तुत कर देंगे ।

## अनुसूची

उत्तरी नन्दिरा खंड

तलचर कोयला क्षेत्र

क्राइम संख्या राजस्व/21/74

दिनांक 12-6-74

(पूर्वोक्त के लिए अधिसूचित भूमि)

क्रम सं०	ग्राम	पुलिस स्टेशन	उप प्रभाग	जिला क्षेत्र	टिप्पणी
1.	लक्ष्मणपुर	कोचरी	तलचर	धनकनाल	आंशिक
2.	वैदरवाड़ या वैदेश्वर	"	"	"	पूर्ण
3.	पवित्रपुर	"	"	"	पूर्ण
4.	पदमावतीपुर	"	"	"	आंशिक
5.	अनन्तबेरनी	"	"	"	आंशिक

कुल क्षेत्र—640 एकड़ (लगभग)

अथवा—259 हेक्टेयर

## सीमा विवरण

ए-बी लाइनें ग्राम पदमावतीपुर तथा दानरा की अंशतः सम्मिलित सीमा ग्राम अनन्त बेरनी तथा दानरा, पवित्रपुर तथा दानरा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है ।

बी-सी लाइनें ग्राम पवित्रपुर तथा जम्बूवाहाली वैदरवाड़ अथवा वैदेश्वर तथा जम्बूवाहाली की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ होकर गुजरती है ।

सी-डी लाइनें ग्राम लक्ष्मणपुर तथा जम्बूवाहाली की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है ।

डी-ई लाइनें ग्राम लक्ष्मणपुर तथा वैदेश्वर की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है ।

ई-एफ लाइनें ग्राम लक्ष्मणपुर तथा बेलांडा की सम्मिलित सीमा (जो कोयला अधिनियम के खंड 9(1) के अन्तर्गत अधिग्रहीत दक्षिण बेलांडा खंड की अंशतः सम्मिलित सीमा है) के साथ-साथ गुजरती है ।

एफ-जी-एच लाइनें ग्राम लक्ष्मणपुर (जो कोयला अधिनियम के खंड 9(1) के अन्तर्गत अधिग्रहीत भरतपुर खंड की अंशतः सम्मिलित सीमा है) से गुजरती है ।

एच-आई लाइनें ग्राम नखतरपुर तथा लक्ष्मणपुर की अंशतः सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है ।

आई-ए लाइनें ग्राम दामोदरपुर (अहलावनगर) तथा लक्ष्मणपुर की सम्मिलित सीमा के साथ साथ, तथा ग्राम अनन्त-बेरनी और पदमावतीपुर से होकर गुजरती है तथा बिन्दु 'ए' पर मिलती है ।

[F. No. C5-4(21)/74]

सी० डी० त्रिपाठी, उप सचिव

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 19th September, 1974

S. O. 2591.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition & Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the National Coal Development Corporation limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or at the office of the Collector, Dhenkanal (Orissa) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, National Coal Development Corporation Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 days from the date of publication of this notification

## SCHEDULE

North Nandira Block  
Talcher Coal fieldDRG. No. Rev/21/74  
Dated 12-6-74(Showing lands notified  
for Prospecting)

S. No.	Village	Police Station	Sub Division	District Area	Remarks
1.	Lachhmanpur	Colliery	Talcher	Dhenkanal	Part
2.	Baiderwar or Baideswar	"	"	"	Full
3.	Pabitrapur	"	"	"	Full
4.	Padmabatipur	"	"	"	Part
5.	Anantabereni	"	"	"	Part
Total Area 640 acres (approximatly) or 259 hectares					



**Boundary Description :**

- A-B line passes along the part common boundary of villages Padmabatipur and Danra, common boundary of villages Anantabereni and Danra, Pabitrapur and Danra.
- B-C line passes along the common boundary of villages Pabitrapur and Jambubahali, Baiderwar or Balideswar and Jambubahali.
- C-D line passes along the common boundary of villages Lachhmanpur and Jambubahali.
- D-E line passes along the common boundary of villages Lachhmanpur and Badasingda.
- E-F line passes along the common boundary of villages Lachhmanpur and Balanda (which is also the part common boundary of South Balanda Block acquired U/s 9(1) of the Coal Act).
- F-G-H lines pass through village Lachhmanpur (which is also the part common boundary of Bharatpur Block acquired U/s 9(1) of the Coal Act).
- H-I line passes along the part common boundary of villages Nakhtrapur and Lachhmanpur.
- I-A line passes along the common boundary of villages Damodarpur (Alhadnagar) and Lachhmanpur and through villages Anantabereni & Padmabatipur and meets at point 'A'.

[F. No. C5-4/(21)/74]

C.D. TRIPATHI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1974

क्रा० प्रा० 2592.—कोयला खान राष्ट्रीयकरण अधिनियम, 1973 (1973 का 26) की धारा 17 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री एच० के० घोष, आई० ए० एस०, को, 20 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से संदाय प्रायुक्त नियुक्त करती है।

[सं० 49016/1/74-कोयला-3]

शरण बिहारी लाल, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 27th September, 1974

S.O. 2592.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 17 of the Coal Mines (Nationalisation) Act, 1973 (26 of 1973), the Central Government hereby appoints Shri H. K. Ghosh, IAS, as the Commissioner of Payments, with effect from the forenoon of the 20th September, 1974.

[No. 49016/1/74-C-3]

S. B. LAL, Joint Secy.

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1974

क्रा० प्रा० 2593.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधि-भोगियों की बेवखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना सं० क्रा० प्रा० 1633 तारीख 25 मई, 1973 द्वारा यथा संशोधित भारत सरकार के निर्माण और आवास मंत्रा-79 GI/74-4

लय की अधिसूचना सं० क्रा० प्रा० 870 तारीख 3 मार्च, 1972 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना के नीचे सारणी में, क्रम-संख्या 9 के सामने, स्तम्भ 1 की प्रविष्टि के स्थान पर "उप महा प्रबन्धक भारतीय सिन्ट्री यूनिट उर्वरक निगम, सिन्ट्री" प्रविष्टि रखी जाएगी।

(सं 26(5)/73 उर्वरक I)

एस० राघवन, प्रवर सचिव

**MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS**

New Delhi, the 13th September, 1974

S.O. 2593.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing No. S.O. 870 dated the 3rd March, 1972, as amended by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals No. S.O. 1633 dated the 25th May, 1973 namely:—

In the Table below the said notification, against Serial No. 9, for the entry in Column 1, the entry "Deputy General Manager, Sindri Unit, Fertilizer Corporation of India, Sindri" shall be substituted.

[No. 26(5)/73.Ferts I]

S. RAGHAVAN, Under Secy.

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1974

क्रा० प्रा० 2594.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य नवगम तेल क्षेत्र में व्ययन बी०ई०प्रो० से बी०ई०जे०से०जी०जी०एस०-III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उक्त संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 22-3-71 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निविष्ट प्रक्रिया को पर्यवसित कर दिया है।

अब, अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निविष्ट प्रक्रिया के पर्यवसान के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

**अनुसूची**

बी०ई०प्रो० से बी०ई०जे० से जी०जी०एस०-III तक पाइपलाइन की संक्रिया का पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण संख्या	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख	संक्रिया के पर्यवसान की तारीख
पेट्रोलियम और रसायन पतसौली		2888	6-10-73	22-3-71

[सं० 12016/4/74-एल० तथा एल०/4]

## Petroleum Department

Baroda the 18th September, 1974.

S.O. No. 2594.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. BEO To BEJ to GGS-III in Nawagam oil field in Gujarat State.

And Whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 22-3-71.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

## SCHEDULE

## Termination of Operation of Pipeline from BEO To BEJ to GGS-III

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum & Chemicals	Pansoli	2888	6-10-73	22-3-71

[No. 12016/4/74-L&amp;L/IV]

का०भा०सा० 2595.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य कलोल तेल क्षेत्र में व्यधन के०-156 से जी०जी०एस०-V तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 15-1-72 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यवसित कर दिया है।

अब, अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया के पर्यवसान के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

## अनुसूची

के०-156 से जी०जी०एस०-V तक पाइपलाइन की संक्रिया का पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण संख्या	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख	संक्रिया के पर्यवसान की तारीख
पेट्रोलियम और रसायन और ईंधन	मो०एन०ए०	2978	13-10-73	15-1-72

[सं० 12016/4/74-एल० तथा एल०/3]

S.O. No. 2595.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section(i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. K-156 to GGS-V in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 15-1-1972.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

## SCHEDULE

## Termination of operation of Pipeline from K-156 to GGS-V

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum & Chemicals	OLA & Isand	2978	13-10-73	15-1-1972

[No. 12016/4/74-L&amp;L/III.]

का०भा०सा० 2596.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य नवागम तेल क्षेत्र में व्यधन बी०ई०यू० से बी०ई०एच०(ए०) से जी०जी०एस०-1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 28-5-74 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यवसित कर दिया है।

अब, अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया के पर्यवसान के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

## अनुसूची

बी०ई०यू० से बी०ई०एच०(ए०) से जी०जी०एस०-I तक पाइपलाइन की संक्रिया पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण संख्या	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख	संक्रिया के पर्यवसान की तारीख
पेट्रोलियम और रसायन नवागम		3632	29-12-73	28-5-74

[सं० 12016/4/74-एल० तथा एल०/2]

**S.O. 2596**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. BEU to BEH (A) to GGS. I in Nawagam oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 28-5-74.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

#### SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from D.S. BEU To BEH(A) to GGS. I

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum & Chemicals	Nawagam	3632	29-12-73	28-5-74

[No. 12016/4/74-L&L/II.]

का० प्रा० 2597.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य नवागम तेल क्षेत्र में अधिनियम की०ई०जे० से जी०जी०एस०-III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर लिया गया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 18-7-70 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (i) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यवसित कर दिया है।

अथ, अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट प्रक्रिया के पर्यवसान के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

#### अनुसूची

की०ई०जे० से जी०जी० एस०-III तक पाइपलाइन की संक्रिया का पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गाँव	सर्वेक्षण संख्या	भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख	संक्रिया के पर्यवसान की तारीख
पेट्रोलियम और रसायन	पनसोली	2400	19-6-71	18-7-70

[सं० 12016/4/74-एल० तथा एल० I]

जे० ए० शेख, सक्षम अधिकारी

**S.O. 2597**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. BEJ to G.G.S. III in Nawagam oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 18-7-70.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

#### SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from BEJ to G.G.S. III

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum & Chemicals	Pansoli	2400	19-6-71	18-7-70

[No. 12016/4/74-L&L/II]

Z.A. SHAIKH,

Competent Authority

नौबहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1974

का० प्रा० 2598—सार्वजनिक परिसर अवाधिकृत (दखलकारों की बेवखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री भवतार सिंह बरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, दिल्ली परिवहन निगम, नई दिल्ली को भारत सरकार के राजपत्रित अधिकारी के पद के समान अधिकारी होने से उप महाप्रबन्धक, दिल्ली परिवहन निगम, नई दिल्ली के स्थान पर सम्पदा अधिकारी नियुक्त करते हैं और भारत सरकार के भूतपूर्व निर्माण, आवास तथा पूँति मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा०प्रा० सं० 707 दिनांक 22 मार्च, 1961 में निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की सारणी की क्रम संख्या 7 के सामने स्तम्भ 1 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात्:—

“श्री भवतार सिंह, बरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, दिल्ली परिवहन निगम, नई दिल्ली।”

[का० सं० 1-टी०ए०जी० (18)/74]

एन० ए० ए० नारायणन, अवसर सचिव

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 20th September, 1974

**S.O. 2598.**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupations) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints Shri Avtar Singh, Senior Administrative Officer, Delhi Transport Corporation, New Delhi, being an officer equivalent to the rank of gazetted Officer of Govt. of India to be the estate Officer vice the Deputy General Manager Delhi Transport Corporation, New Delhi, and makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Works, Housing and Supply S.O. No. 707 dated the 22nd March, 1961, namely:

In the Table to the said notification against Serial No. 7 in Column 1, for the entry the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri Avtar Singh, Senior Administrative Officer, Delhi Transport Corporation, New Delhi".

[F.No. 1-TAG(18)/74]

N. A. A. NARAYANAN, Under Secy.

**का०आ० 2599.**—निम्नलिखित विनियम, जिन्हें नाविक भविष्य निधि योजना, 1966 के पैरा 20 के उप-पैरा (2) के साथ पठित नाविक भविष्य निधि अधिनियम, 1966 (1966 का 4) की धारा 7 की उप-धारा (6) के अनुसरण में नाविक भविष्य निधि के न्यासी बोर्ड द्वारा केन्द्रीय सरकार के अनुमोदित से नाविक भविष्य निधि संगठन कर्मचारी वर्ग (सामान्य भविष्य निधि) विनियम, 1972 में संशोधनार्थ बनाये गये हैं, सामान्य सूचना के लिये प्रकाशित किये जाते हैं:—

1. (1) इन विनियमों का नाम नाविक भविष्य निधि संगठन कर्मचारी वर्ग (सामान्य भविष्य निधि) संशोधन विनियम, 1974 है।

(2) ये विनियम, राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नाविक भविष्य निधि संगठन कर्मचारी वर्ग (सामान्य भविष्य निधि) विनियम, 1972 के विनियम 12, उप-विनियम (2) में "उससे पहले के महीने के अन्त तक, जिसमें भुगतान किया गया है या उस महीने के बाद छठे मास के अन्त तक जिसमें ऐसी रकम देय होगा, जिन्हें ऐसी रकम का भुगतान किया जाता है," के स्थान पर "उस महीने से पहले के महीने के अन्त तक देय होगा, जिसमें संगृहीत रकम वस्तुतः लौटाई जाती है" शब्द प्रतिस्थापित किये जायें।

[स एम० डब्ल्यू०एस० (17)/74-एम०टी]

वि० बि० मुकुन्दधर, उप-सचिव

**S.O. 2599.**—The following regulations which have been made by the Board of Trustees of the Seamen's Provident Fund in pursuance of sub-section (6) of section 7 of the Seamen's Provident Fund Act, 1966 (4 of 1966), read with sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Seamen's Provident Fund Scheme, 1966 and with the approval of the Central Government, to amend the Seamen's Provident Fund Organisation Staff (General Provident Fund) Regulations, 1972 are published for general information:—

1. (1) These regulations may be called the Seamen's Provident Fund Organisation Staff (General Provident Fund) Amendment Regulations, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Seamen's Provident Fund Organisation Staff (General Provident Fund) Regulations, 1972, in regulation 12, in sub-regulation (2), for the words "upto the end of the month preceding that in which payment is made, or upto the end of the sixth month after the month in which such amount became payable, whichever of these periods be less, shall be payable to the persons to whom such amount is to be paid", the words "shall be payable until the end of the month preceding the month in which the accumulations are actually refunded" shall be substituted.

[No. MWS(17)/74-MT]

V. V. SUBRAHMANYAM, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1974

**का०आ० 2560.**—काण्डला अरजिस्ट्रीकृत डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) स्कीम, 1968 के खण्ड 4 के उप-खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम के उप-प्रबन्धक (प्रचालन) को प्रशासनिक निकाय के लिए नाम निर्दिष्ट करती है और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1893, तारीख 9 मई, 1969 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, मद (2) और उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित मद और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"(2) उप-प्रबन्धक (प्रचालन), काण्डला।"

[फा० सं० बी०-17025/6/74-एल०डी०]

बी संकरालिंगम

अवर सचिव,

New Delhi, the 23rd September, 1974

**S.O. 2600.**—In exercise of the powers conferred by sub-clause (1) of clause 4 of the Kandla unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1968, the Central Government hereby nominates the Deputy Manager (Operations) of the Food Corporation of India to the Administrative Body and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Deptt. of Labour and Employment) No. S.O. 1893 dated the 9th May, 1969, namely:—

In the said notification, for item (2) and the entry relating thereto, the following item and entry shall be substituted, namely:—

"(2) The Deputy Manager (Operations), Kandla".

[File No. V 17025/6/74-LD]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1974

**का०आ० 2581.**—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महा-निदेशक ने आवला-टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-10-74 प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निर्णय किया है।

[सं० 5-8/74-पी० एच० बी०]

पी० सी० गुप्ता, सहायक महा-निदेशक

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P. &amp; T. Board)

New Delhi, the 25th September, 1974

**S.O. 2601.**—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-10-74 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Bavla Telephone Exchange, Gujarat Circle.

[No. 5-8/74-PHB]

P. C. GUPTA, Assistant Director General.

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1974

**का० प्रा० 2602.**—भारतीय डाक घर अधिनियम, 1898 (1898 का 6) की धारा 4 के साथ पठित धारा 21 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार, भारतीय डाकघर नियम, 1933 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय डाक घर (छठा संशोधन) नियम, 1974 है।

(2) ये 1974 के नवम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय डाक घर नियम, 1933 में, "भाग III डाक वस्तुओं का रजिस्ट्रीकरण" में, "I-अन्तर्देशीय डाक वस्तुयें" शीर्षक के अन्तर्गत, नियम 69 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

"66-क: अन्तर्देशीय डाक वस्तुये निम्नलिखित बातों के अधीन रहते हुये, अभिलिखित वितरण के लिये, उनके लिये रसीदें अभिप्राप्त करने के पश्चात्, सभी डाक घरों से बुक की जा सकेंगी, अर्थात्:—

- (1) यह सेवा, पार्सलों के सिवाय, सभी वर्गों की डाक को, जो रजिस्ट्रीकृत सेवा द्वारा भेजी जा सकती है, उपलब्ध होगी।
- (2) इस सेवा के लिये डाक महसूल के अतिरिक्त, प्रति वस्तु 65 पैसे की फीस, उसी रीति में जैसी रजिस्ट्रीकृत वस्तुओं के मामले में विहित है, प्रेषक द्वारा पूर्वसंचित की जायेगी और यदि प्रेषक वस्तु के वितरण का प्रमाणपत्र की सूचना अभिप्राप्त करने का इच्छुक है तो प्रति वस्तु 15 पैसे की अतिरिक्त फीस दी जायेगी।
- (3) इस सेवा के अन्तर्गत बुक करने के लिये वस्तु के ऊपर "अभिलिखित वितरण" मूल्यांकन प्रमुख रूप लिखे होंगे और प्रेषित के नाम और पते के अतिरिक्त प्रेषक का नाम और पता भी लिखा होगा।
- (4) प्रेषक, बुक करने के लिये वस्तु प्रस्तुत करते समय, निम्नलिखित प्रोफार्मा में सम्बन्ध रूप से स्पष्टी से लिखा या टाइप किया हुआ या मुद्रित, डाक अभिलेख देगा:—

अभि० वि०-1

सं०—

प्रमाणित किया जाता है कि (नाम).....(पता)..... को प्रेषक को ससूचना सहित/रहितपत्र/अन्तर्देशीय पत्र-काई/पोस्टकाई/बुक पैकेट अभिलिखित वितरण के लिये डाक द्वारा भेजा गया था।

संलग्न डाक महसूल.....

प्रेषक का नाम और पता	डाक घर की तारीख	डाक घर के निपिक के हस्ताक्षर
----------------------	-----------------	------------------------------

(5) प्रेषक द्वारा बुक करने के लिये प्रस्तुत की गई वस्तु/वस्तुओं और दिय गए डाक अभिलेख की संवीक्षा के पश्चात् डाक घर प्रेषक को अविवेचना के रूप में, हस्ताक्षरित और तारीख मोहरांकित डाक-अभिलेख लौटा देगा।

(6) इस सेवा के अन्तर्गत बुक की गई किसी वस्तु के बारे में शिकायतें वस्तु के बुक करने की तारीख से 2 मास के भीतर की जा सकेंगी और उनमें अन्य बातों के साथ डाक-अभिलेख की तारीख और संख्या और बुकिंग कार्यालय का नाम होगा।"

[सं० 41/10/72-सी० प्राई०]

श्रीमती जी० ई० बनर्जी, निदेशक, डाक (तकनीकी)

New Delhi, the 26th September, 1974

**S.O. 2602.**—In exercise of the powers conferred by section 21 read with section 4 of the Indian Post Office Act, 1898 (6 of 1898), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Post Office Rules, 1933, namely:—

1 (1) These rules may be called the Indian Post Office (Sixth Amendment) Rules 1974.

(2) They shall come into force on the 1st day of November 1974.

2. In the Indian Post Office Rules 1933, in "Part III Registration of Postal Articles", under the heading "I-Inland Postal Articles", after rule 66, the following rule shall be inserted, namely:—

"66-A-Inland postal articles may be booked at all post Offices after obtaining receipts therefor, for recorded delivery subject to the following conditions, namely:—

- (1) The service shall be available to all classes of mails which can be sent by registered service except parcels.
- (2) A fee of 65 paise per article, in addition to the postage, shall be prepaid by the sender in the same manner as is prescribed in the case of registered articles, for this service and an additional fee of 15 paise per article shall be paid if the sender desires to obtain an advice of delivery for the article.
- (3) An article for booking under this service shall prominently bear the superscription "Recorded Delivery" and shall also bear the name and address of the sender in addition to that of the addressee.
- (4) The sender, shall, at the time of presenting the article for booking, tender a record of posting duly filled in ink or typewritten or printed in the following proforma:—

RD-1.

No. ....

Certified that a letter/ILC/Postcard/Book Packet with/without "IS" addressed to (name) ..... (address) ..... was posted

for Recorded Delivery.

Postage paid .....

Name and address of Sender.

Date Stamp of  
Post OfficeSignature of Post  
Office Clerk

(5) After scrutiny of the article(s) presented for booking and the record of posting tendered by the sender, the record of posting tendered by the sender, the post office shall return to the sender the record of posting signed and date stamped, in token of authentication.

(6) Complaints regarding any article booked under this service may be preferred within 2 months from the date of booking of the article and shall inter-alia contain the date and the number of record of posting and the name of the office of booking."

[No. 41-10/72-CI]

SMT. G. E. BANERJI, Director Postal (Technical)

सिंघाई और विद्युत मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1974

का.आ. 2603.—भारतीय विद्युत नियम 1956 के नियम 133 के उपनियम (2) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आदेश देती है कि उक्त नियमों के—

- (i) नियम 117(3),
- (ii) नियम 123(5),
- (iii) नियम 123(7), और
- (iv) नियम 118 (क)

को कोल माइन्स अधोरीटो लिमिटेड के पूर्वी खण्ड में (i) पोयसी (2) मधुजोड़, और (3) बांकुला कोलियरी पर क्रम सं० (1) एन०-564, (2) एन०-562, और (3) एन०-364 के क्रम सं० वाले रूसी मेक टाइप के एम०पी०-3 कोयला काटने वाली तीन मशीनों के प्रयोग के बारे में इस सीमा तक शिथिल किए जायेंगे कि (1) नियम 117(3) के शिथिलीकरण में, कोयला काटने वाले के लिए लचीले, पीछे के केबिल में परिष्कृत भूमि चालक की चालकता लचीले केबिल से परिष्कृत सबसे बड़े चालक की चालकता की 50 प्रतिशत नहीं हो सकेगी; (2) नियम 123(5) के शिथिलीकरण में, कोयला काटने वाले के लिए लचीले केबिल की धात्विक आवरण के साथ व्यवस्था नहीं की जा सकेगी; (3) नियम 123(7) के शिथिलीकरण में, लचीले केबिल की लम्बाई 91-44 मी० तक निर्बन्धित नहीं की जा सकेगी; (4) नियम 118(क) के शिथिलीकरण में, पाइलट सर्किल का नोलेज 30 वाट तक निर्बन्धित नहीं हो सकेगा और शिथिलीकरण निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन रहते हुए होगा :—

1. पूरितकर भूमि क्षरण संरक्षा की समीप में व्यवस्था की जानी चाहिए, जो भूमि-रोध के आयतन पर तत्क्षण सक्रिय होगी;
2. निम्नलिखित अनुरोध वाली टिकाऊ स्वरूप की प्लेट स्थायी और प्रमुख रूप से द्वारान्त सर्किट खण्डित (गेट एण्ड सर्किट ब्रेकर) पर प्रदर्शनी की जाएगी।

"सामने का आवरण खोलने से पूर्व सम्भरण (सप्लाइ) ग्रन्थ स्थान पर पूर्ण रूप से बिलग किया जाना चाहिए और सम्भरण (सप्लाइ) तब तक चालू नहीं की जाएगी जब कि सामने का आवरण सुरक्षित रूप से नहीं रखा गया जाता।"

3. कोयला काटने वाले के लचीले केबिल को विद्युत मिश्री द्वारा भारतीय विद्युत नियम, 1956 के नियम 123(4) द्वारा यथा अपेक्षित मशीन प्रचालक द्वारा, केबिल की संपरीक्षा के कानूनी उत्तरदायित्व के अनुरिक्त प्रत्येक पारी में कम से कम एक बार अगुनी तरह सम्परीक्षित किया जाएगा;

4. केबिल का विद्युत-रोधी प्रतिरोध यथा सम्भव पुनः पुनः (ऐसी अवधि सप्ताह में कम से कम एक बार होगी) 500 वाट मेजर से विद्युत पर्यवेक्षक द्वारा परीक्षित किया जाएगा और उसके परिणाम इस प्रयोजनाय प्रनय रूप से रखी गयी जिल्ह वाली किताब में अभिलिखित किए जाएंगे और उनको खान सुरक्षा महानिदेशालय के निरीक्षण अधिकारी के सामने जब इस प्रकार निवेशित किया जाए, पेश किया जाएगा; और

5. एक मैग भोला से कम केबिल के विद्युतरोधी प्रतिरोध के मूल्य की दशा में, केबिल को तुरन्त प्रयोग से हटा दिया जाएगा।

"परन्तु यह कि उपस्कर का प्रचालन भारतीय विद्युत नियम 1956 के नियम 3 के अध्वन सम्पूक रूप से प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा किया जाएगा और इस प्रकार प्राधिकृत व्यक्ति उपस्कर के प्रचालन में सुरक्षित रीति से समर्थ होंगे।"

"परन्तु यह कि यदि सुरक्षा के हित में यह आवश्यक समझा जाए, तो यह शिथिलीकरण किसी भी समय संशोधित किया जा सकेगा या हटाया जा सकेगा।"

परन्तु यह कि यद्योक्त शिथिलीकरण ऐसे समय तक विधिमन्य होगा जब तक कि उक्त मशीन का खान में प्रयोग किया जाता है और ज्यों ही उक्त मशीन खान से बाहर निकाल दी जाती है तो उसकी सम्पूक सूचना केन्द्रीय सरकार को उर्गन्देशक खान सुरक्षा (विद्युत मुख्यालय) धनबाद के द्वारा दी जाएगी।

[सं० ई० एल० II-6 (3)/74]

सुरेन्द्र प्रकाश जैन, उपनिदेशक (विद्युत)

## MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

### ORDER

New Delhi, the 23rd September, 1974

S.O. 2603.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 133 of the Indian Electricity Rules, 1956, the Central Government hereby directs that the provisions of—

- (i) Rule 117(3),
- (ii) Rule 123(5),
- (iii) Rule 123(7), and
- (iv) Rule 118(e)

of the said Rules shall be relaxed in respect of the use of three numbers of Russian Make type KMP-3 Coal-cutting Machines with Serial Nos. (1) N-564, (2) N-562 and (3) N-364 at (1) Poidih, (2) Madhujore and (3) Bankola Collieries in the Eastern Division of the Coal Mines Authority Limited, to the extent that (1) in relaxation of Rule 117(3), the conductivity of the earth conductor enclosed in the flexible trailing cable for the coalcutter may not be 50 per cent of that of the largest conductor enclosed in the flexible cable; (2) in relaxation of Rule 123(5), the flexible cable for the coal-cutter may not be provided with metallic screening; (3) in relaxation of Rule 123(7), the length of

the flexible cable may not be restricted to 91.44 metres; and (4) in relaxation of Rule 118(e), the voltage of the pilot circuit may not be restricted to 30 volts, and that the relaxation shall be subject to the following conditions:—

1. A back-up earth leakage protection must be provided nearby which shall be instantaneously operative on the incidence of an earth fault;

2. A plate of durable nature bearing the following inscription shall be permanently and conspicuously displayed on the gate-end circuit breaker.

"Before opening the front cover, the supply must be fully isolated elsewhere and supply shall not be restored unless and until the front cover is put back into its position securely".

3. The flexible cable of the coal cutter shall be examined thoroughly by an electrician at least once in each shift in addition to the statutory responsibility of examining the cable by the machine operator as required by Rule 123(4) of the Indian Electricity Rules, 1956;

4. The insulation resistance of the cable shall be tested by a 500 Volt Megger as frequently as possible (such frequency being at least once a week), by the Electrical Supervisor and the results thereof shall be recorded in a bound book maintained exclusively for this purpose and which shall be produced to the Inspecting Officer of the Directorate-General of Mines Safety as and when so directed; and

5. In the event of the value of the insulation resistance of the cable registering less than 1 Meg. Ohm; the cable shall be forthwith withdrawn from use.

"Provided that the operation of the equipment will be done by the persons duly authorised under Rule 3 of the I.E. Rules, 1956 and persons so authorised shall be capable of operating the equipment in a safe manner".

"Provided that this relaxation may be amended or withdrawn at any time if considered necessary in the interest of safety".

Provided that the aforesaid relaxation shall be valid for such time as the said machine is in use in the mine and due information shall be given to the Central Government through the Dy. Director of Mines Safety (Electrical-Headquarters), Dhanbad, as soon as the machine is taken out of the mine.

[No. EL-II-6(3)/74]

S. P. JAIN, Dy. Director.

अम मंत्रालय

आवेश

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1974

का० प्रा० 2604—यत. केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में श्री खूब चन्द ठेकेदार और डालमिया दादरी सीमेंट लिमिटेड, चर्खी दादरी (हरियाणा) के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनकी पत्थर-खदानों में नियोजित उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यत केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री प्रो० पी० शर्मा होंगे, जिनका मुख्यालय करीबाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

"तारीख 26 फरवरी 1972 के समझौते से हुए निर्णय के खण्ड 2 और 8 की शर्तों को वृष्टि में रखते हुए, क्या डालमिया दादरी सीमेंट लिमिटेड, डाकघर चर्खी दादरी, जिला भिवानी (हरियाणा) के प्रबन्धतंत्र और उनके ठेकेदार, श्री खूब चन्द, सीमेंट फैक्ट्री कोलोनी, डाकघर चर्खी दादरी, जिला भिवानी (हरियाणा), द्वारा 2-7-1972 से 17-9-1972 (78 दिनों), और 21-12-1972 से 4-1-1973 (15 दिनों) और 4-3-1972 और 27-11-1972 की अवधि के दौरान अपनी पत्थर-खदानों को बन्द रखना प्रथवा श्रमिकों को मजदूरी या मुआवजा दिए बिना काम न देना न्यायोचित था? यदि नहीं, तो ये कर्मकार किस अनुसूच के हकदार हैं और किस से?

[संख्या एल-29011(16)/74-एल० प्रार० 4]

## MINISTRY OF LABOUR

### ORDER

New Delhi, the 9th August, 1974

S.O. 2604.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to Shri Khub Chand Contractor and the management of Dalmia Dadri Cement Limited, Charkhi Dadri (Haryana) and their workmen employed in their stone quarries in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri O. P. Sharma shall be the Presiding Officer with headquarters at Faridabad and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

### SCHEDULE

"Keeping in view the terms of clauses 2 and 8 of the conciliation settlement dated 26th February, 1972 whether the management of Dalmia Dadri Cement Limited Post Office Charkhi Dadri, District Bhiwani (Haryana) and their Contractor, Shri Khub Chand, Cement Factory Colony, Post Office Charkhi Dadri, District Bhiwani (Haryana) were justified in closing or not providing work to the labour in the quarries during the period from 2-7-1972 to 17-9-1972 (78 days) and from 21-12-72 to 4-1-1973 (15 days) and on 4-3-1972 and 27-11-1972 without paying any wages or compensation to the workers? If not to what relief are these workmen entitled and from whom?

[No. L-29011(16)/74-LR. IV]

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1974

का० प्रा० 2605.—यत. केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मेसर्स हल्करनवास मांजी-लाल, डाकघर करंजिया, जिला सितपुरम की करंजिया और मुहलविया सफेद मिट्टी खानों के प्रबन्ध तंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और यत. केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 3), धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

प्रखिल भारतीय श्रौतन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में हुई तेज वृद्धि को दृष्टि में रखते हुए, क्या सावा मिट्टी खान अंग संबंधित उद्योग मजदूर संघ द्वारा मसर्स हरकरणदास मांगीवाल, डाकघर करंजिया, जिला सिंहभूमि की करंजिया और माहुलदिया सफेद मिट्टी खानों में नियोजित बमगैरों, बजियों प्रकुशल मजदूरों और लोहारों की मजदूरी वारों में वृद्धि की मांग करना न्यायोचित है? यदि हां, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है?

[संख्या एल-29011/71/73-एल० प्रार०-4]

#### ORDER

New Delhi, the 27th August, 1974

**S.O. 2605.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Karanjia and Mahuldia White Clay Mines of Messrs Harkarandas Mangilall, Post Office Karanjia, District Singhbhum and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 3), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Keeping in view the steep rise in All India Average Consumers Price Index number whether the Sada Mitti Khan Aung Sambandhit Udyog Mazdoor Sangh is justified in demanding an increment in wage rates of baggers, tailors, unskilled Mazdoor and Blacksmiths employed at Karanjia and Mahuldia White Clay Mines of Messrs Harkarandas Mangilall, Post Office Karanjia, District Singhbhum If so, to what relief are the workmen concerned entitled?

[No. L-29011/71/73-LR. IV]

सई दिल्ली, 31 अगस्त, 1974

#### प्रदेश

का० प्रा० 2606—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उप-बद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मसर्स रंगटा माहस (प्राइवेट) लिमिटेड डाकघर बाराजाम्बा, जिला सिंहभूम की घाटकुरी, भाइरन और माइन के ठेकेदार मसर्स ईस्टर्न जोन सिडीकेट, से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और अतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है ;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं० 1) धनबाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

क्या आवश्यक वस्तुओं की किमतों और प्रखिल भारतीय श्रौतन उप-भोक्ता मूल्य सूचकांक में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए मसर्स रंगटा माहस (प्राइवेट) लिमिटेड डाकघर बाराजाम्बा, जिला सिंहभूम की घाटकुरी भाइरन और माइन के ठेकेदार मसर्स ईस्टर्न जोन सिडीकेट, के श्रमिकों की उनकी मूल मजदूरी, उनके मंहगाई भत्ते और परिवर्ती मंहगाई भत्ते में वृद्धि जेबु मांग न्यायोचित है? यदि हां तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के और किस तारीख से हकदार है?

[संख्या एल० -26011(5)/74-एल० प्रार०-4]

#### ORDER

New Delhi, the 31st August, 1974

**S.O. 2606.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to M/s. Eastern Zone Syndicate Contractors of Ghatkuri Iron Mine of Messrs Rungta Mines (Private) Limited, post Office Barajamda, District Singhbhum, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1) Dhanbad constituted under section 7A of the said Act.

#### SCHEDULE

Keeping in view the rise in prices of essential commodities and the All India Average Consumers price Index Number whether the demand if the workers of Messrs Eastern Zone Syndicate Contractors of Ghatkuri Iron Ore Mine of Messrs Rungta Mines (Private) Limited, Post Office Barajamda, District Singhbhum for increase in their basic wage, Dearness Allowance and Variable Dearness Allowance is justified? If so to what relief are the workers concerned entitled and from what date?

[No. L-26011/5/74-LR. IV]

#### प्रदेश

सई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1974

का० प्रा० 2607—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में हलाहाबाद बैंक से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है।

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण मुम्बई को न्याय-निर्णयन के लिए निर्देशित करती है।



## अनुसूची

क्या इलाहाबाद बैंक के प्रबन्धतंत्र की अपनी चन्द्रपुर शाखा (महाराष्ट्र राज्य) के रोकड़िया की शेषराव बापूराव मवाले की सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल० 12012/46/74-एल प्रार-3]

New Delhi, the 7th September, 1974

**S.O. 2607.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Allahabad Bank and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed,

And whereas the Central Government Considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Industrial Tribunal, Bombay constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of Allahabad Bank in Mawale terminating the services of Shri Sheshrao Banurao Cashier at their Chandrapur Branch (Maharashtra State) is justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. L. 12012/46/74/LR-III]

का प्रा० 2608—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमसे उपायबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है?

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है?

अतः, अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण दिल्ली को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

क्या सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबन्धतंत्र की, श्री युधिष्ठिर सहायक रोकड़िया की सेवाएं 29 मई, 1969 से समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो वह किहू अनुतोष का हकदार है?

[सं० 23/124/69/एल० प्रार० 3]

**S.O. 2608.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

79GI/74—5

And whereas the Central Government Considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of Central Bank of India in terminating the services of Shri Yudhishtir, Assistant Cashier with effect from the 29th May, 1968 is justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. 23/124/69/LR III]

का प्रा० 2609—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमसे उपायबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स जयपुर उद्योग लिमिटेड, फलोदी पत्थर खान सवाई माधोपुर के प्रबन्ध तन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7 क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

## अनुसूची

क्या मैसर्स जयपुर उद्योग लिमिटेड, फलोदी पत्थर खान, जिला सवाई माधोपुर के प्रबन्धतन्त्र की, श्री सुरेन्द्र सिंह घोबरसियर को द्वितीय सीमेंट मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों के अनुसार श्रेणी VI में पदोन्नति से वंचित करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल०-290/12/15/74-एल० प्रार०-4]

**S.O. 2609.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Jaipur Udyog Limited, Phalodi Quarry, Sawaimadhopur, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs Jaipur Udyog Limited, Phalodi Quarry, District Sawaimadhopur in denying promotion to Shri Surendra Singh Overseer to Grade VI as per the Second Cement Wage Board Recommendations is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-29012/15/74-LR. IV]

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1974

क्रा० प्रा० 2610—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्वय अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पंजाब को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है।

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच० आर० सोधी होंगे जिनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा, और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

क्या पंजाब को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, के प्रबन्धतंत्र की ठाकुर दुर्गादास की 17 जून, 1943 से 9 सितम्बर, 1950 तक की अवधि के लिए उपदान आदि के फायदे न देने की कार्यवाही न्यायोचित है। यदि नहीं, तो वह किस अनुसूची के हकदार है?

[सं० एल० 12012/30/73-एल०आर०-3]

New Delhi, the 11th September, 1974

**S.O. 2610.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab Co-operative Bank Limited and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitute an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

Whether the action of the management of Punjab Co-operative Bank Limited in denying the benefits of gratuity etc. for the period from the 17th June, 1943 to 9th September, 1950 to Thakur Durga Das is justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. L. 12012/30/73/LR III]

क्रा० प्रा० : 2611—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमसे उपायद्वय अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच० आर० सोधी होंगे जिनका मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा, और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

क्या सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया, चण्डीगढ़ के प्रबन्धतंत्र की, बैंक की जग-राज शाखा के श्री सी० एल० चोपड़ा को 25 जनवरी, 1969 में प्रधान गैरकर्मचारी न मानने की कार्यवाही भेदभाव का कार्य और अनुचित श्रम-व्यवहार है? यदि हाँ, तो वह किस अनुसूची के हकदार है?

[सं० एल०-12012/106/73/एल०आर०-3]

**S.O. 2611.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

Whether the action of the management of Central Bank of India, Chandigarh in not treating Shri C. L. Chopra of Jagraon branch of the Bank as Head Cashier with effect from the 25th January, 1969 is an act of discrimination and unfair labour practice? If so, to what relief is he entitled?

[No. L. 12012/106/73/LR III]

नई दिल्ली, 12 सितम्बर, 1974

क्रा० प्रा० . 2612—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि हमसे उपायद्वय अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में फर्स्ट नेशनल सिटी बैंक, नई दिल्ली से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और यतः, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 4) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण दिल्ली को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

New Delhi, the 19th September, 1974

क्या मेसर्स फ़र्स्ट नेशनल सिटी बैंक, नई दिल्ली के प्रबंधक की, श्री विपिन कुमार शर्मा, निपिक-एम्-टंकक की सेवाओं को 21 मार्च, 1974 से, समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो यह किस अनुसूची का हकदार है?

[सं० एन० 12012/58/74-एल० आर० 3]

New Delhi, the 12th September, 1974

**S.O. 2612.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the First National City Bank, New Delhi and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi constituted under Section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs First National City Bank, New Delhi in terminating the services of Shri Vipin Kumar Shrama, Clerk-Cum-Typist, with effect from the 21st March, 1974 is justified? If not to what relief is he entitled?

[No. L 12012/58/74/LR III]

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1974

**का० आ०. 2613**—यतः काण्डला स्टेवेडोर्स एसोसिएशन लिमिटेड, काण्डला के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों, जिनका प्रतिनिधित्व परिवहन तथा डाक श्रमिक यूनियन, न्यू काण्डला करती है, के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः, उक्त नियोजकों और उक्त यूनियन ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10क की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थ के लिए निर्दिष्ट करने का करार कर लिया है और उक्त माध्यस्थ करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है और वह, उक्त धारा की उपधारा (3) के उपबन्धों के अधीन, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय के आदेश सख्या एल०-390-13/1/73-पी० एण्ड डी०/सी० एम० टी०, (i) दिनांक 19 सितम्बर, 1974 में, भारत के राजपत्र, तारीख 5 अक्टूबर, 1974 के भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित हो चुका है;

और, यतः, केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त निर्देश करने वाले व्यक्ति पक्षकार के बहुमत का प्रतिनिधित्व करते हैं,

अतः, अब, औद्योगिक विवाद (केन्द्रीय नियम), 1957 के नियम 8क के साथ पठित उक्त धारा की उपधारा (3क) के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उन नियोजकों और कर्मचारों, जो उक्त माध्यस्थ करार में पक्षकार नहीं हैं, किन्तु जो उक्त विवाद से सम्बन्धित हैं, की जानकारी के लिए अधिसूचित करती है कि उक्त निर्देश करने वाले व्यक्ति प्रत्येक पक्ष के बहुमत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

[सं० एल०-39013/1/73-पी० एण्ड डी० सी एम टी (ii)]

**S.O. 2613.**—Whereas an Industrial dispute exists between, the employers in relation to the management of Kandla Stevedores Association Limited, Kandla and their workmen as represented by Transport and Dock Workers, Union, new Kandla :—

And, whereas, the said employers and the said union have, by a written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration of the person mentioned therein, and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government and the same has been published, under the provisions of sub-section (3) of the said section with the order of the Government of India in the Ministry of Labour No. L. 39013/1/73-P & D/CMT (i) dated the 19th September, 1974 published in part II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 5th October, 1974 :—

And, whereas, the Central Government is satisfied that the persons making the said reference represent the majority of the party;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (3A) of the said section, read with rule 8A of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, the Central Government hereby notifies for the information of the employers and workmen who are not parties to the said arbitration agreement but who are concerned with the said dispute, that the persons making the said reference represented the majority of each party.

[No. L-39013/1/73-P&amp;D/CMT(ii)]

**का० आ०. 2614**—यतः काण्डला स्टेवेडोर्स एसोसिएशन लि० के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, जिनका प्रतिनिधित्व परिवहन तथा डाक श्रमिक यूनियन, काण्डला करती है, एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः उक्त नियोजकों और कर्मचारों ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10क की उपधारा (1) के अधीन एक लिखित करार द्वारा उक्त विवाद को उसमें वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थ के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त अधिनियम की धारा 10क की उपधारा (3) के अधीन उक्त माध्यस्थ करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी है ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त करार को, जो उसे 12 सितम्बर 1974 को मिला था, एतद्वारा प्रकाशित करती है।

करार

(औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10क के अधीन)

के बीच

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले : काण्डला स्टेवेडोर्स एसोसिएशन लिमिटेड, काण्डला।

कर्मचारों का प्रतिनिधित्व करने वाले : परिवहन तथा डाक श्रमिक यूनियन, काण्डला।

पक्षकारों के बीच करार किया गया है कि निम्नलिखित औद्योगिक विवाद को श्री टी० एम० शर्करा, संयुक्त सचिव, श्रम मंत्रालय, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली के माध्यस्थ के लिए निर्देशित किया जाये।

(i) विनिश्चित विवाद ग्रस्त विषय—पत्तन और डॉक कर्मकारों के लिए केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की रिपोर्ट, उस पर किए गए सरकारी निर्णयों, और अन्य सम्बन्धित विषयों, अखिल भारतीय पत्तन और डॉक कर्मकार फेडरेशन द्वारा उठाई गई मांगों और इन पर लागू किए गए विचार—विमर्शों के सन्दर्भ में, महापत्तनों के पत्तन और डॉक कर्मकारों से सम्बन्धित निम्नलिखित विवादग्रस्त विषयों को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 के अधीन माध्यस्थता के लिए, गुण-बोध के आधार पर निर्णयार्थ निर्देशित किये जाने का करार किया गया है —

(1) क्या भ्रष्टसाहाय्य प्राप्त औद्योगिक आवागम योजना में भ्रष्टसाहाय्य के तत्व और अन्य सुसंगत कारणों को ध्यान में रखते हुए मानक मकानों के किराये की वसूली को सरकार द्वारा प्रस्तावित दरों को, भर्त्ता जहाँ मूल वेतन 200 रुपये प्रति माह से कम है, वहाँ मूल वेतन का (परन्तु नगर प्रतिकर भत्ते का नहीं) 7½ प्रतिशत और जहाँ वह 200 रुपये प्रतिमाह या उससे अधिक है, वहाँ मूल वेतन (परन्तु नगर प्रतिकर भत्ते का नहीं) का 10 प्रतिशत, घटाया जाना चाहिए और यदि हाँ, तो किस सीमा तक ?

(2) क्या महापत्तनों के पत्तन और डॉक कर्मकारों के लिए केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर सरकार द्वारा स्वीकृत सशोधित वेतन-मानों में वेतन के निर्धारण के विषय में, मजदूरी बोर्ड की सिफारिश के अनुसार सरकार द्वारा मजूर की गई 11 80 रुपये प्रति माह की अतिरिक्त सहायता या उसके भाग को ध्यान में रखा जाना चाहिए ?

(3) क्या मकान किराया भत्ते और नगर प्रतिकर भत्ते के प्रयोजन के लिए, महगाई भत्ते (अतिरिक्त महगाई भत्ते सहित) और समय-समय पर महगाई भत्ते में की गई वृद्धियों को भगत या पूर्णतः वेतन के रूप में माना जाना चाहिए ?

(ii) विवाद के पक्षकारों का विवरण

(1) काण्डला स्टेवडोरस एसोसिएशन लिमिटेड, कमरा नं० 10, क्लेरिंग एजेण्ट्स बिल्डिंग, न्यू काण्डला।

(2) परिवहन और डॉक श्रमिक यूनियन, 26, मेवालाल मार्केट, न्यू काण्डला।

(iii) यूनियन का नाम

परिवहन और डॉक श्रमिक यूनियन, 26 मेवालाल मार्केट, न्यू काण्डला।

(iv) प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या लगभग 449

(v) विवाद द्वारा प्रभावित या सम्भाव्यतः प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राकलित संख्या लगभग 449

माध्यस्थ अपना पचाट तीन मास की कालावधि या इतने और समय के भीतर जो हमारे बीच पारस्परिक लिखित करार द्वारा बढ़ाया जाये, देगा।

उपर्युक्त औद्योगिक विवाद को श्री ए० टी० जाम्ने, पीठासीन अधिकारी, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकारी, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण एवं-श्रम न्यायलय संख्या 2, चौथी मंजिल, सिटी आईस बिल्डिंग, 298,

बाजार गेट स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई को निर्देशित करने सम्बन्धी पिछला करार, जो हमने किया था और जिसे भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मन्त्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) ने अपने आदेश संख्या एन-39013/1/73-पी० एण्ड डी० (vii), दिनांक 12-7-1973 के रूप में भारत राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), दिनांक 28-7-1973 में प्रकाशित किया गया था, एनडू द्वारा रद्द किया जाता है।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले

ह०/- आर० एन० राव  
अध्यक्ष,

काण्डला स्टेवडोरस एसोसिएशन लिमिटेड,  
काण्डला।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

ह०/- एम० जी० कोतवाल  
अध्यक्ष

परिवहन और डॉक कर्मकार यूनियन,  
काण्डला।

साक्षी

(1) ह०/ पी० एम० गुप्ते,  
उपाध्यक्ष,  
काण्डला डॉक श्रम बोर्ड।

(2) ह०/-के०पी० साहनी  
सहायक सचिव  
काण्डला डॉक श्रम बोर्ड।

जी० सी० मक्सेना  
अवर सचिव

[संख्या एन-39013/1/73 पी० एण्ड डी०/सी ए० मटी०]

**S.O. 2614.**—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Kandla Stevedores Association Ltd, and their workmen as represented by the Transport and Dock Workers Union, Kandla,

And, whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forward to the Central Government, under sub-section (3) of section 10A of the said Act, a copy of the said arbitration agreement,

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement which was received by it on the 12th September, 1974

**AGREEMENT OF UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947**

Between

Representing Employers Kandla Stevedores Association Limited, Kandla

Representing Workmen —The Transport & Dock workers Union Kandla

It is hereby agreed between the parties to refer the following industrial dispute to the arbitration of Shri T. S. Sankaran, Joint Secretary, Ministry of Labour Sharam Shakti Bhavan, Rafi Marg, New Delhi.

(i) Specific matters in dispute—In the context of the report of the Central Wage Board for Port & Dock Workers, the decisions of the Government thereon and other related matters, the demands raised by the All India Port & Dock Workers Federation and the further discussions held on these, the following matters in dispute relating to Port & Dock Workers of the Major Ports are agreed to be referred to arbitration under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 for decision on merits :—

- (1) Whether and if so to what extent the rates for recovery of rent for standard houses proposed by Government, namely, 7-1/2 per cent of basic pay (and not City Compensatory Allowance) where basic pay is less than Rs. 200/- per month and at the rate of 10 per cent of basic pay (and not CCA) if it is Rs. 200/- per month or more, should be reduced taking into account the subsidy element in the Subsidised Industrial Housing Scheme and other relevant factors.
- (2) Whether in the matter of fixation of pay in the revised scales accepted by the Government on the basis of the Central Wage Board Report for Port & Dock Workers at Major Ports, the interim relief of Rs. 11.80 per month or part thereof granted by Government as recommended by the Wage Board should be taken into account.
- (3) Whether Dearness Allowance (Including additional dearness allowance) and increases in D. A. from time to time in part of full should be treated as pay for the purpose of House Rent Allowance and Compensatory Allowance ?

(ii) Details of the parties to dispute :

(1) Kandla Stevedores' Association Limited, Room No. 10, Clearing Agent's Building, New Kandla.

(2) The Transport & Dock Workers' Union, 26, Mewala Market, New Kandla.

(iii) Name of the Union.

The Transport & Dock Workers Union, 26, Mewala Market, New Kandla.

(iv) Total number of workmen employed in the undertaking affected :

449 approximately.

(v) Estimated number of workmen affected or likely to

be affected by the dispute

449 approximately.

The arbitration shall make his award within a period of three months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing.

The previous agreement entered into by us as published by the Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) in Part II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated 28-7-1973 vide their Order No. L-39013/1/73-P&D (vii) dated 12-7-1973 to refer the above mentioned industrial dispute to the arbitration of Shri A. T. Zambre, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-labour Court No. 2, 4th Floor, City Ice Building, 298, Bazarigate Street, Fort, Bombay is hereby cancelled.

Signature of the Parties.

Representing employers: Sd/-R. N. RAO, PRESIDENT,  
Kandla Stevedores' Association Ltd. Kandla.

Representing Workmen: Sd/-M. G. Kotwal, PRESIDENT,  
Transport & Dock Workers' Union, Kandla.

Witnesses :

(1) Sd/-P. M. Gupte, Deputy Chairman,  
Kandla Dock Labour Board.

(2) Sd/- K. P. SHAHANI, Asstt Secy.  
Kandla Dock Labour Board.

[No. L-39013/1/73-P&D/CMT(i)]

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1974

आदेश

का० प्रा० 2615.—यह केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में माडर्न कारपेन्टरी वर्क, कलकत्ता के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और यह केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मिस्त्रियां, बढ़इयो तथा सहायको (हेल्परो) की मजदूरी में वृद्धि की मांग न्यायोचित है? यदि हा, तो किस दर पर और किन अन्य विवरणों के साथ ?

[न० एल 32011/5/74-पी एण्ड डी/सी एन टी]

New Delhi, the 23rd September, 1974

ORDER

S.O. 2615.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Modern Carpentry Works, Calcutta and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed.

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the demand for increase in wages of Mistries, Carpenters and Helpers is justified? If so, at what rate and with what other details?"

[No. L-32011/5/74-P&D/CMT]

का० प्रा० 2616—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्वय अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कान्टिनेन्टल कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वाछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10- की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० एम० अनन्त होंगे जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा, और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या कान्टिनेन्टल कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम् के कर्मचारियों की लेखा वर्ष 1972 के लिए बोनस की मांग करना न्यायोचित है? यदि हाँ तो किस दर पर?

[म० एल 34011/6/74-पी एण्ड डी/सी एम टी]

**S.O. 2616.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Continental Construction Private Limited and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed.

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri P. S. Ananth shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of the Continental Construction Private Limited, Visakhapatnam for grant of bonus for the accounting year 1972 is justified? If so, at what rate?"

[No. L-34011/6/74-P&D/CMT]

New Delhi, the 25th September, 1974

**S.O. 2617.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Bhubaneswar, in the industrial dispute between the employers in relation to Messrs J. K. and K. P. Jhunjhunwala, care of Orissa Industries Limited, Lathikata Rourkela-1 owners of Bholamal Fireclay Mines, P.O. Belpahar and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th September, 1974.

#### INDUSTRIAL TRIBUNAL : BHUBANESWAR

PRESENT :  
Shri L. Mallick, B.L.,  
Presiding Officer  
Industrial Tribunal,  
Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 7 OF 1973 (CENTRAL)

Bhubaneswar, the 6th September, 1974

#### BETWEEN

The employers in relation to Messrs J. K. and K. P. Jhunjhunwala, care of Orissa Industries Limited, Lathikata, Rourkela-4, owner of Bholamal Fireclay Mines, Post Office Belpahar First Party

#### AND

Their Workmen-  
APPEARANCE:

Second Party

None—for the first party

None—for the Second party

#### AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred by section 7-A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have, by their order no. L-29011/45/73 dated 28-11-73 referred the following schedule of dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the action of Messrs J. K. and K. P. Jhunjhunwala C/o Orissa Industries Limited, Lathikata, Post Office Rourkela-4 owner of Bholamal Fireclay Mines, Post Office Belpahar, in refusing employment to workmen at Bholamal Fireclay Mines during the period from the 8th January, 1973 to 4th April, 1973 was justified? If not, to what relief are the workmen entitled?"

2. The case of the first party, in substance, is as follows:—

That the management has got two mines which are worked out through independent contractors. The labour force employed by the contractors in both the mines suddenly struck work and created untoward incidents resulting in complete paralysis of the mines of the first party. That the workmen concerned in the dispute are not the employees of the first party but they are employees of the independent contractors. The reference is incompetent since the contractors, who are the employers of the workmen, have not been made parties. There was no question of the first party refusing employment to the workers. The workmen never made any demand before the first party and as such, there is no industrial dispute.

3. The case of the second party as averred in their written-statement, in short, is as follows:—

That the mines of the company are run departmentally and the workers are paid their wages directly by the company. On 8-1-73, the company asked the workers not to work unless they agreed to work under contractors. Since the workers resented and did not like to work under contractors, the management did not allow the workers to continue work and the workers were thus laid off from 8th January 1973 to 5th April 1973. The workers resumed their work on 5-4-73 when they were allowed to work under the management and were promised to pay wages for the period they were laid off.

4. Though a lot of opportunities were given to both parties to appear for hearing, they did not turn up and as such, I feel that no dispute exists between the parties. Therefore, no dispute award is passed.

[No. L-29011/45/73-DR IV]  
L. MALLICK, Presiding Officer

**S.O. 2618.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Bhubaneswar in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Daitari Iron Ore Mines of the Orissa Mining Corporation Limited, Bhubaneswar and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th September 1974.

# INDUSTRIAL TRIBUNAL : BHUBANESHWAR

Present:

Shri L. Mallick, B.L.,

Presiding Officer,

Industrial Tribunal,

Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 5 OF 1973 (CENTRAL)

Bhubaneswar, the 6th September, 1974

## BETWEEN

The employers in relation to management of Daitari Iron Ore Mines of the Orissa Mining Corporation Limited, Bhubaneswar.

## AND

First Party  
Second Party

Their workmen

## APPEARANCES :

None—for the first party

None—for the second party

## AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation, in exercise of the powers conferred by section 7-A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the Act) have, by their order no. L-26011/11/72 dated 12-10-1973, referred the following schedule of dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the demand of the Daitari Iron Ore Mines Labour Union for revision of the wage structure of the workmen of the Daitari Iron Ore Mines of the Orissa Mining Corporation Limited, with effect from 1st January, 1967, is justified? If so, to what relief the workmen are entitled?"

2. The case of the second party, in substance, is that though the prices of food articles and other essential commodities are very high and the workers are made to work under strenuous condition, they are paid very low wages as compared to other similar concerns in the area. They are not given other facilities, such as, water, reimbursement of the cost of medicines etc. The second party union prays for higher wages as given in annexures A and B along with other facilities.

3. The case of the first party management, in short, is that it has implemented some of the recommendations of the Wage Board within the limits of its resources regarding weekly paid workmen taking in view the exigencies of the situation. That in view of the financial position of the company, which has sustained heavy loss from 1967 onwards, it has not been possible to implement all the recommendations of the Wage Board extending to all categories of employees. The services of these workers being transferable from one mine to another, it is not possible to adopt different scales of pay for its different mines. That the overall financial position of the Corporation does not permit giving higher wages to its employees since they have been enjoying the fringe benefits, such as, rent free accommodation, supply of rice at concessional rate, supply of kerosene oil etc.

4. On the date of hearing after several adjournments, both parties did not turn up. From their failure to appear before the Tribunal on the date of hearing it seems no dispute exists between the parties now and as such, no dispute award is to be passed. Accordingly, no dispute award is passed.

[No. L-26011/11/72/LR IV]

L. MALLICK, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1974

का० प्रा० 2619:—यत्. केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कांतिनैटल कंस्ट्रक्शन (प्राइवेट) लिमिटेड, विशाखापत्तनम के प्रबन्धन से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यत्. केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करना वांछनीय समझती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री टी० नरसिंह राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करती है।

अनुसूची

"क्या कांतिनैटल कंस्ट्रक्शन (प्राइवेट) लिमिटेड, विशाखापत्तनम की, श्री एस० कनैया, खलासी, कर्मशाला अनुभाग को 7 फरवरी, 1974 से सेवा से पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार जिन अनुसूची का हकदार है?"

[सं० एन०-34012/3/74-पी० डी०/सी० एम० टी०]

जी० सी० सक्सेना,  
अवर सचिव,

**S.O. 2619.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management and their workmen in res- (Private) Limited, Visakhapatnam and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

AND, WHEREAS, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Barsubg Rao shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

## SCHEDULE

"Whether the action of Continental Construction (Private) Limited, Visakhapatnam in dismissing Shri S. Kanalah, Khalasi, Workshop Section, from service with effect from 7th February, 1974 is justified? if not, to what relief is the workmen entitled?"

[No. 34012/3/74-PD/CMT]

G. C. SAKSENA, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1974

क्रा० आ० 2620.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का० आ० 1458 तारीख 9 मई, 1973 के क्रम में केन्द्रीय सरकार इण्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (मार्केटिंग डिविजन), डाकखाना आरामपुर, कानपुर को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 4 अप्रैल, 1974 से 3 अप्रैल, 1975 तक, और इस दिन को सम्मिलित करके, और एक वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है।

[सं ए० 38017/8/74-एच०आई०]

New Delhi, the 20th September, 1974

**S.O. 2620.**—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employee's State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1458 dated the 9th May, 1973 the Central Government hereby exempts the Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division) Post Office Arampore, Kanpur from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 4th April, 1974 upto and inclusive of the 3rd April, 1975.

[No. S. 38017/8/74-HI]

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1974

क्रा० आ० 2621.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री एन० आर० वेसाई को उक्त अधिनियम, स्कीम और उसके अधीन विरचित कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कंपनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से अधिक राज्य में विभाग या शाखाएं हैं, सम्पूर्ण महाराष्ट्र राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए० 12016(3)/74-भ० नि० I]

New Delhi, the 21st September, 1974

**S.O. 2621.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri N. R. Desai to be an Inspector for the whole of the State of Maharashtra for the purposes of the said Act and the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(3)/74-PF.I]

क्रा० आ० 2622.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स तमिलनाडु क्रिश्चन कौंसिल, प्रोग्राम, आफिम रेस कोर्स रोड, ओल्ड क्रिश्चन कालेज होस्टल कार वूमैन, गुहन्डी, मद्रास-32 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० ए० 35019/113/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 2622.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Tamilnad Christian Council, Programme Office Race Course Road, Old Christian College Hostel for Women, Guindy, Madras-32 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1973.

[No. S. 35019/113/73-PF.II]

क्रा० आ० 2623.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स रोखिन्सन फ्रेरे आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कम्बट्टा बिल्डिंग थर्ड फ्लोर, चर्च रोड, मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अक्टूबर के एकत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० ए० 35018(34)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2623.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Robinson Frere of India Private Limited, Cambatta Building 3rd Floor Karva Road, Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of October, 1973.

[No. S. 35018(34)/74-PF.II]

क्रा० आ० 2624.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स टेक्नो इन्स्ट्रुमेंट्स इन्को., एयर लाइस होटल बिल्डिंग-199, चर्च रोड रिक्लेमेशन मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।



अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अगस्त के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम० 35015(35)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2624.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Techno Instruments Inc. Anlines Hotel Building, 199 Churchgate Reclamation Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1973.

[No. S. 35018(35)/74-PF.II]

**का० आ० 2625.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स नाटेशन एजेन्सीज, का लीडेपुरीची, जिला तेल्लिचेरी, तमिलनाडु नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के दिसम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम० 35019 (54)/74-सं० 2]

**S.O. 2625.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Natesan Agencies, Kallidai Kurichi, District Tirunelveli, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1973.

[No. S. 35019(54)/74-PF.II]

**का० आ० 2626.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स वसन्त कृष्णाजी बोर्डे एंड बर्दर वाडकुल्ला भाजी बाजार, मुम्बई-27 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के अक्टूबर के इकतीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम० 35015(46)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2526.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vasant Krishnaji Godse and Brothers, Byculia Bhaji Bazar Bombay-27 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1972.

[No. S. 35018(46)/74-PF.II]

**का० आ० 2627.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स श्री गणेश मिल्स, पावरलूम फैक्ट्री, शंकर नलूर, बरास्ता कुथपुरम्बा, तेल्लिचेरी तालुका कान्नानोर जिला, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के दिसम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम० 35019(28)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2627.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sriganesh Mills, Powerloom Factory, Sarkaranalloor, Via-Kuthupuramba, Tellicheerry Taluk, Cannanore District, Kerala have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1973.

[No. S. 35019(28)/74-PF. II]

**का० आ० 2628.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स डा० वरन्धूरा फार्मा केमिकल इंडस्ट्री, बी 11, इंडिस्ट्रियल एस्टेट, सन्त नगर, हैदराबाद-18 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अगस्त के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम० 35019(36)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2628.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dr. Karanth's Pharma Chemical Industry, B 11-Industrial Estate, Santnagar, Hyderabad-18 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1973.

[No. S. 35019(36)/74-PF. II]

**का० प्रा० 2629.**—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स लुमी ट्रेडर्स, 52-नंग बाजार स्ट्रीट, थिरुमंगलम, जिला मदुराई, जिसमें इसकी (1) 25-तामिल संगम रोड, मदुराई (2) 29-पुंगनूर अम्मालकोई स्ट्रीट, गुडियानम स्थित शाखाएँ भी सम्मिलित हैं नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के मितम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(84)/73-भ० नि० 2]

**S.O. 2629.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Susce Trades, 52, Big Bazar Street, Thirumangalam, District Madurai including its branches at (1) 25, Tamil Sangam Road, Madurai (2) 29, Punganur Ammalakoie Street, Gudiyatan have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1972.

[No. S. 35019(84)/73-PF.II]

**का० प्रा० 2630.**—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स इंडियन वायर्ड वायर एंड वायर प्राइवेट्स, 8571-राष्ट्रपति रोड, सिकन्दराबाद-3 (आन्ध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के डिगम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(96)/73-भ० नि० 2]

**S.O. 2630.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian Barbed Wire and Wire Products, 8571, Rashtrapati Road, Secunderabad-3 (Andhra Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1972.

[No. S. 35019(86)/73-PF.II]

**का० प्रा० 2631.**—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 2641 तारीख 7 सितम्बर, 1973 के क्रम में केन्द्रीय सरकार इंडियन घायल कारपोरेशन, लिमिटेड के बज बज संस्थापन और पहारपुर संस्थापन को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 16 अगस्त, 1974 से 15 अगस्त, 1975 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है ।

[सं० एस० 38017/2/73-एच०प्राई०]

**S.O. 2631.**—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2641, dated the 7th September, 1973 the Central Government hereby exempts the Budge Budge Installation and Paharpur Installation belonging to the Indian Oil Corporation, Limited, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 16th August, 1974 upto and inclusive of the 15th August, 1975.

[No. S-38017/2/73-HI]

**का० प्रा० 2632.**—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स आन्ध्र विद्युत इंडस्ट्रीज, सी-23, इंडस्ट्रियल स्टेट, सनतनगर, हैदराबाद-18 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 के मितम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(177)/73-भ० नि०]

**S.O. 2632.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Andhra Vidyut Industries, C-23, Industrial Estate, Sanatnagar, Hyderabad-18 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1973.

[No. S. 35019(177)/73-PF. II]

का० प्रा० 2633.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स टाइल्स एण्ड मारबल्स, 1-ए, बिशप वालर्स ऐवेन्यू साउथ, पोस्ट बॉक्स नं० 625, मद्रास-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35019(90)/73-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 2633.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Tiles and Marble, 1-A, Bishop Wallers Avenue South, Post Box No. 625, Madras-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019(90)/73-PF. II(i)]

का० प्रा० 2634.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् टाइल्स एण्ड मारबल्स, 1-ए, बिशप वालर्स साउथ ऐवेन्यू, पोस्ट बॉक्स नं० 625, मद्रास-4 नामक स्थापन को 1973 की अप्रैल के प्रथम दिन से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[स० एस० 35019(90)/73-पी० एफ० 2 (ii)]

S.O. 2634.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1973 the establishment known as Messrs Tiles and Marble, 1-A Bishop Wallers Avenue South, Post Box No. 625, Madras-4 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(90)/73-PF. II(ii)]

का० प्रा० 2635.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 4161, तारीख 5 दिसम्बर, 1972 को जहाँ तक इसका संबंध श्री पी गोविन्दस्वामी से है, अधिकांश करने हुए केन्द्रीय सरकार श्री

पी० गोविन्दस्वामी को उक्त अधिनियम और स्कीम और उसके अधीन विरचित कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, मरुपत्तन, खान या तेल क्षेत्र या विपन्न उद्योग में सम्बन्धित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में, जिसकी एक में अधिक राज्यों में विभाग या शाखाएँ हैं सम्पूर्ण आंध्र प्रदेश राज्य के लिए निरोधक नियुक्त करती है।

[स० ए० 12016(7)/74-पी० एफ०-1]

S.O. 2635.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 4161, dated the 5th December, 1972, in so far as it relates to Shri P. Govindaswamy, the Central Government hereby appoints Shri P. Govindaswamy to be an Inspector for the purposes of the said Act, and the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(7)/74-PF. II]

का० प्रा० 2636.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स एस्पी इंजीनियर्स, यूनिट सं० 1, कला सिल्क फैक्टरी इस्टेट्स एस्टेट काशीगाव, एस० वी० रोड, दाहिमर, मुम्बई-68, जिसमें कल्पना 62-ए, पुष्पा पार्क, मलाड (पूर्वी) मुम्बई-64 स्थित उक्त कार्यालय भी सम्मिलित है नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35018(41)/74-पी० एफ० 2 (i)]

S.O. 2626.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Espee Engineers, Unit No. 1 Kala Silk Factory Industrial Estate, Kashigaon, S. V. Road, Dahisar Bombay-68 including its office at Kalpana 62-A Pushpa Park Malad (East) Bombay-64 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1974.

[No. S. 35018(41)/74-PF. II(i)]

का० प्रा० 2637.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मेसर्स एस्पी इंजीनियर्स, यूनिट सं० 1, कला सिल्क

कैप्टरी इंडस्ट्रियल एस्टेट, काशीगाव, एस० बी० रोड, दाहिसार, मुम्बई-68 जिसमें कल्पना 62-ए, पुष्पा पार्क, मलाड (पूर्वी) मुम्बई-64 स्थित उसका कार्यालय भी सम्मिलित है नामक स्थापन को 1 जनवरी, 1974 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एस० 35018(41)/74-म०वि० 2 (ii)]

**S.O. 2637.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the 'Employees' Provident Funds and Family Pension Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of January, 1974 the establishment known as Messrs Espee Engineers, Unit No. 1 Kala Silk Factory Industrial Estate, Kashingaon, S. V. Road, Dahisar, Bombay-68 including its office at Kalpana 62-A Pushpa Park, Malad (East) Bombay-64 for the purposes of the said proviso.

[No. S 35018/(41)/74-PF. II(ii)]

**का० ग्रा० 2638.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स ईश्वर लाल नगिन दास तानावाला, खानेदा, पंजरा शेरी, सुरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिमूचना 1974 की फरवरी के अट्ठाईसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(125)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2638.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Ishwarlal Nagindas Tanawala, Khatodra, Panjra Sheri, Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty eighth day of February, 1974.

[No. S. 35019(125)/74-PF. II]

**का० ग्रा० 2639.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स तमिलनाडु टेक्स्टाइल कार्पोरेशन लिमिटेड, 85, भाउण्ट रोड, मद्रास-18 (जिसके अन्तर्गत उसका सीमा सुन्दरम् विन्म प्रोमिसेज, कोयम्बटूर स्थित उप-कार्यालय भी आता है) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिमूचना 1973 के सितम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(166)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 2639.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Tamil Nadu Textile Corporation Limited, 85, Mount Road, Madras-18 including its Sub-office at Somasundram Mills premises, Coimbatore have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1973.

[No. S. 35019(166)/73-PF. II]

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1974

**का० ग्रा० 2640.**—कर्मचारी भविष्य निधि तथा कुटुम्ब पेंशन अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिमूचना सं० का० ग्रा० 491, तारीख 14 जनवरी, 1972 के क्रम में, केन्द्रीय सरकार श्री बी० हेमचन्द्र राव को उक्त अधिनियम और स्क्रीम और उसके अधीन विरचित कुटुम्ब पेंशन स्क्रीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उनके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेल कम्पनी, महापत्तन, खान या तेल क्षेत्र या नियंत्रित उद्योग से सम्बन्धित किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में, जिसके एक से अधिक राज्यों में विभाग या शाखाएँ हों, सम्पूर्ण लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए० 12016(4)/72-पी० एफ०-1 (ii)]

New Delhi, the 24th September, 1974

**S.O. 2640.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 491 dated 14th January, 1972, the Central Government hereby appoints Shri V. Hemachandra Rao to be an Inspector for the whole of the Union Territory of Lakshadweep for the purposes of the said Act and the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016(4)/72-PF. I(ii)]

**का० ग्रा० 2641.**—कर्मचारी भविष्य निधि तथा कुटुम्ब पेंशन अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5-घ की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिमूचना सं० का० ग्रा० 492, तारीख 14 जनवरी, 1972 के क्रम में केन्द्रीय सरकार श्री बी० हेमचन्द्र राव को, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को उसके कर्तव्यों का निर्वहन करने में सहायता देने के लिए, लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के लिए भी प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त नियुक्त करती है।

[सं० ए० 12016(4)/72-पी० एफ०-1(i)]

**S.O. 2641.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5D of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 492, dated the 14th

January, 1972 the Central Government hereby appoints Shri V. Hemachandra Rao as Regional Provident Fund Commissioner for the Union territory of Lakshadweep also to assist the Central Provident Fund Commissioner in the discharge of his duties

[No A 12016(4) 72-PF I(ii)]

का० आ० 2642—यह केंद्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मेसर्स श्री अग्रहारमल्ली बस ट्रामपाट प्राईवेट लिमिटेड 7 अग्रहारमल्ली मेट्टुपलयम जिला कोयम्बटूर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोक्ता और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और कुटुम्ब पणन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की सई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[ग० एम० 35019(17)/73 पी एफ० 2]

**S.O. 2642.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Abira mavalli Bus Transport Private Limited, 7, Agraharam St. Mettupalayam District Coimbatore have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1973

[No S 35019(47)/73 PF II]

का० आ० 2643—यह केंद्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मेसर्स पालामार प्रोडक्ट्स, प्लॉट नं० 4 इंडस्ट्रियल एस्टेट गुलटेक्डी पूना 9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोक्ता और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और कुटुम्ब पणन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[ग० एम० 35019(51)/74 पी० एफ० 2]

**O. 2643.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Polymer Products, Plot No 4, Industrial Estate Gultekdi Poona 9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment,

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January 1971

[No S 35018(51)/74 PF II]

का० आ० 2644—कर्मचारी राज्य बीमा निधि अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केंद्रीय सरकार वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद् के नियंत्रणाधीन मेट्टुपलयम मण्डल मिर्माद रिसेर्च इन्स्टीट्यूट कनवर्ता को राजपत्र में इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशन का आदेश देकर उसका अवधि के लिए उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से छूट देती है।

[ग० एम० 35017 1/71-एन०आई०]

**S.O. 2644.**—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the Central Glass and Ceramic Research Institute, Calcutta under the control of the Council of Scientific and Industrial Research from the operation of the said Act for a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette

[No S 38017/1/74-HI]

का० आ० 2645—यह केंद्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मेसर्स एम० ए प्रोडक्ट्स प्रा० लि० अ० उल्हासनगर 4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोक्ता और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और कुटुम्ब पणन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के दिसम्बर के दसवींम दिन प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[ग० एम० 35018(40)/71-एन०आई० 2]

**S.O. 2645.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs S. K. Products, O. T. Section, Ulhasnagar 4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1973

[No S-35018(40)/74-PF III]

का० आ० 2646—यह केंद्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मेसर्स इन्डोमोडर्न आर्गानाइज्ड जैन्ट मारगज नैक लिमिटेड इन्डोमोडर्न आंध्र प्रदेश नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोक्ता और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और कुटुम्ब पणन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अक्टूबर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[ग० एम० 35019(18-)/74 पी० एफ० 2]

**S.O. 2646.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Ibrahimpatan Co-operative Land Mortgage Bank Limited, Ibrahimpatan, Andhra Pradesh have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1973.

[No. S. 35019(182)/73-PF. II]

**का० प्रा० 2647.**—यत् केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मेसर्स चतुरलाल नगीन दास तानावाला खानोदरा, सुरत नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के फरवरी के अष्टादशवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एम० 35019(126)/74-भ०नि० 2]

**S.O. 2647.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Chaturial Nagindas Tanawala Khatodra, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty eighth day of February, 1974.

[No. S. 35019(126)/74-PF. II]

**का० प्रा० 2648.**—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स ओरियण्टल बाइंडिंग वर्क्स, 2, बिधान सारणी, कलकत्ता-6 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के छत्तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एम० 35017(35)/71-पी०एफ० 2]

**S.O. 2648.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Oriental Binding Works, 2, Bidhan Sarani, Calcutta-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the Thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35017(35)/74-PF. II]

**का० प्रा० 2649.**—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स टी० मानेकलाल एण्ड सन्स, वासवानी मैन्शन्स, दिनशा वाघा रोड, मुम्बई-20 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एम० 35018(48)/74-पी०एफ० 2(i)]

**S.O. 2649.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. T. Maneklal and Sons, Vaswani Mansions, Dinshaw Vachha Road, Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1973.

[No. S. 35018(48)/74-PF. II(i)]

**का० प्रा० 2650.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परलोक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक आचर करने के पश्चात् मेसर्स टी० मानेकलाल एण्ड सन्स, वासवानी मैन्शन्स, दिनशा वाघा रोड, मुम्बई-20 नामक स्थापन को 1 जून, 1973 से उक्त परलोक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[स० एम० 35018(48)/74-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 2650.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of June, 1973 the establishment known as Messrs. T. Maneklal and sons, Vaswani Mansions, Dinshaw Vachha Road, Bombay-20, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(48)/74-PF. II(ii)]

**का० प्रा० 2651.**—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स कार्तिकेय थियेटर, पेट्टाह त्रिवेन्द्रम-7 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा 4 (द्वारा) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के नवम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम० 35019(162)/73-पी०एफ० 2(i)]

**S.O. 2651.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Karthikeya Theatre, Pettah, Trivandrum-7, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1973.

[No. S. 35019(162)/73-PF. II(ii)]

**का०प्रा० 2652.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 नवम्बर 1973 से कार्तिकेय थियेटर, पेटटाह, त्रिवेन्द्रम-7 नामक स्थान को एतद्द्वारा उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिश्चित करती है।

[सं. एम० 35019(162)/73-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 2652.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of November, 1973, the establishment known as Messrs. Karthikeya Theatre, Pettah, Trivandrum-7 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(162)/73-PF. II(ii)]

**का०प्रा० 2653.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स लिब्रा इलेक्ट्रिकल मीटर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 309 अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-18 जिसमें गणपति, डाकघर, कोयम्बटूर-6 स्थित उनका कारखाना सम्मिलित है, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के अक्टूबर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम० 35019(145)/71-पी०एफ० 2(i)]

**S.O. 2653.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Libra Electrical Meters (Private) Limited, 309, Avanashi Road, Coimbatore-18 including their factory at Ganpathy Post, Coimbatore-6 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1971.

[No. S. 35019(145)/71-PF. II(ii)]

**का०प्रा० 2654.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अक्टूबर, 1971 से मैसेर्स लिब्रा इलेक्ट्रिकल मीटर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 309 अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-18 जिसमें गणपति, डाकघर कोयम्बटूर-6 स्थित उनका कारखाना भी है, नामक स्थान को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिश्चित करती है।

[सं. एम० 35019(145)/71-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 2654.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1971, the establishment known as Messrs. Libra Electrical Meters (Private) Limited, 309, Avanashi Road, Coimbatore-18, including their factory at Ganapathy Post Coimbatore-6, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(145)/71-PF. II(ii)]

**का०प्रा० 2655.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स एणोशिएटेड इन्डाम मैकेनिकल प्राइवेट लिमिटेड, बार्ड-76, हावड़ा इंडस्ट्रियल एस्टेट, बालितिकुरी, हावड़ा जिसमें 3, एस्पेलेनेड ईस्ट (ऊपरी मंजिल) कलकत्ता-1 स्थित इसका मुख्यालय भी सम्मिलित है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापना को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम० 35017(28)/74-पी०एफ० 2(i)]

**S.O. 2655.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Associated Indam Mechanical Private Limited, Y-76 Howrah Industrial Estate, Balitkuri, Howrah, including its Head Office at 3, Esplanade East (Top Floor) Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35017(28)/74-PF. II(i)]

**का०प्रा० 2656.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मैसेर्स एमोशिएटेड इन्डाम मैकेनिकल प्राइवेट लिमिटेड, बार्ड-76, हावड़ा इंडस्ट्रियल एस्टेट, बालितिकुरी, हावड़ा जिसमें 3, एस्पेलेनेड ईस्ट (ऊपरी मंजिल) कलकत्ता-1 स्थित इसका मुख्यालय भी सम्मिलित है, नामक स्थापन को 31 दिसम्बर, 1972 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिश्चित करती है।

[सं. एम० 35017(28)/74-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 2656.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of December, 1972 the establishment known as Messrs Associated Indam Mechanical Private Limited, Y-76, Howrah Industrial Estate, Bulitkuri, Howrah including its Head office at 3, Esplanade East (Top Floor), Calcutta-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(28)/74-PF. II (ii)]

का० आ० 2657.—यह केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होना है कि मिसर्स लक्ष्मी पुल्वरिसिंग मिल्स, कोडवलूर, जिला नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(29)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2657.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Laxmi Pulverising Mills, Kodavalur, District Nellore (Andhra Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1974.

[No. S-35019(29)/74-PF. II]

का० आ० 2658.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मिसर्स एक्स एल इन्जीनियर्स, पोस्ट ऑफिस मुदिकल, जिला परामबवूर, केरल नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अगस्त के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(130)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 2658.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs XL Engineers, Post Office Mudical, District Perambavoor, Kerala have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1973.

[No. S-35019(130)/73-P.F. II]

का० आ० 2659.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मिसर्स स्टैंडर्ड कन्स्ट्रक्शन (कलकत्ता) कम्पनी, 5 और 6 फैन्सी लेन, कलकत्ता-1 नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के एकतीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35017(32)/74-पी० एफ० 2 (1)]

**S.O. 2659.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Standard Construction (Calcutta) Company, 5 and 6 Fancy Lane, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1973.

[No. S-35017(32)/74-PF. II(ii)]

का० आ० 2660.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम पन्नुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मिसर्स स्टैंडर्ड कन्स्ट्रक्शन (कलकत्ता) कम्पनी, 5 और 6 फैन्सी लेन, कलकत्ता-1 नामक स्थापन को 31 मार्च, 1973 से उक्त परन्तुक के प्रावधानों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम० 35017(32)/74-पी० एफ० 2 (ii)]

**S.O. 2660.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of March, 1973, the establishment known as Messrs Standard Construction (Calcutta) Company, 5 and 6, Fancy Lane, Calcutta-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35017(32)/74-PF. II(ii)]

का० आ० 2661.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मिसर्स ई एन जियामरी कार्पोरेशन को आण्डरिन कोट्टे इन्डस्ट्रिया मामाईटी, विमिडेड, सं० एम० आई० एन० डी० (सी०) 2, डाकघर नैरिगारी, जिला कनानीर नामक स्थापन को 1 मिनवर, 1973 से उक्त परन्तुक के प्रावधानों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० एम० 35019(161)/73-म० नि० 2 (ii)]



**S.O. 2661.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1973 the establishment known as the Kalliaserry Carpentry Workers' Co-operative Cottage Industrial Society Limited, No. S IND(C) 2, Post Office Kalliaserry, District Cannanore for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(161)/73-PF. II(ii)]

का० प्रा० 2662.—यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मीसमें कॅलिआसरी कारपेंटरी वर्क्स कोऑपरेटिव काटेज इन्डस्ट्रियल सोसाइटी, लिमिटेड, स० एम० आई० एन० डी० (सी) 2, शकघर कैलियासरी, जिला कन्नोरी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के सितम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एम० 35019(161)/73-म० नि० 2 (i)]

**S.O. 2662.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Kalliaserry Carpentry Workers' Co-operative Cottage Industrial Society Limited No. S. IND(C) 2, Post Office Kalliaserry, District Cannanore have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applied the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1973.

[No. S-35019(161)/73-PF. II(i)]

का० प्रा० 2663.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मीसमें डा० रोहिणी एन० मर्चेंट, डा० मर्चेंट्स हास्पिटल, 5-ए, सियोन (वेस्ट) मुम्बई, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के सितम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एम० 35018(49)/74-पी० एफ० 2]  
राम प्रसाद नरुला, अवसर सचिव

**S.O. 2663.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dr. Rohinee N. Merchant, Dr. Merchant's Hospital 5A, Sion (West) Bombay-22 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1973.

[No. S-35018(49)/74-PF. II]

R. P. NARULA, Under Secy.

New Delhi, the 21st September, 1974

**S.O. 2664.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pure Joyramdih Colliery of Messrs Joyramdih Colliery Company, Post Office Nudkharkee, District Dhanbad, and their workmen which was received by the Central Government on the 18th September, 1974.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 19 of 1971

PARTIES :

Employers in relation to the management of Pure Joyramdih Colliery of Messrs Joyramdih Colliery Company, Post Office Nudkharkee, District Dhanbad.

AND

Their workmen.

PRESENT :

Mr. Justice D. D. Seth,  
Presiding Officer.

APPEARANCE :

For the Old Management & Bharat Coking Coal Limited—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen—Shri Lalit Burman.

State : Bihar.  
Industry : Coal.

Dhanbad, the 10th September, 1974

AWARD

The present reference arises out of Order No. L-2012/91/71-LR-II dated New Delhi, the 6th July, 1971 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows:—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Pure Joyramdih Colliery of Messrs Pure Joyramdih Colliery Company, Post Office Nudkharkee, District Dhanbad, in stopping Shri Sambhu Nath Mishra, Mining Sardar from work with effect from the 23rd October, 1970, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement dated 10th September, 1974 has been filed today in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the Memorandum of Settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

Let a copy of this award be sent to the Central Government is required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947

D D SETH Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL NO 1 DHANBAD

In Ref No 19 of 1971

Employer in relation to Pure Joyramdih Colliery

AND

Their workmen

Petition of Compromise Settlement

The humble petitioners on behalf of the parties above named most respectfully sheweth —

(1) That the parties have amicably settled the above dispute on the terms stated below —

#### TERMS OF SETTLEMENT

- (2) (a) It is agreed that Shri S. N. Mishra, Mining Sirdar the workman concerned in the dispute, shall be paid Rs. 1500/- (Rupees one thousand and five hundred) in full satisfaction of all his claims against the management on account of the above dispute within 30 days of the date of settlement from the office of the Sub Area Manager Phularitand Sub Area.
- (b) It is agreed that the workman concerned shall have no other claim whatsoever against the management on account of the above dispute.
- (c) It is agreed that the management shall pay Rs. 100/- (Rupees one hundred) to the representative of the workman on the date of settlement, as cost of proceedings.
- (d) It is agreed that the above terms of settlement fully and finally resolves the above dispute between the parties.

That the petitioners pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept the above terms of settlement as reasonable, and pass award in terms thereof.

And for this the humble petitioners shall ever pray

LALIT BURMAN

For Workman

Y S MURTY

For Employer

WORKMAN

Shambhu Nath Misra

Dated the 10th September, 1974

[No L-2012/91/71-1 RII]  
P R NAYAR, Dy Secy

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1974

का आ 2065—यह केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि तांबा उद्योग को जो कि औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की पहली अनुसूची में निर्दिष्ट है उक्त अधिनियम के प्रयोग के लिए एक उपयोगी रोग घोषित किया जाना है।

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ब) के उपखण्ड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार द्वारा एतद्वारा उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोग के लिए तत्काल प्रभाव से छ मास की अवधि के लिए एक लोक उपयोगी रोग घोषित करती है।

[स फा एस 11025/8/74 पल आर 1]

एस एस सहस्रनामान जवर सचिव

New Delhi, the 28th September, 1974

S.O. 2665.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the copper industry which is specified in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No F. S-11025/8/74-LR II]

S S SAHASRANAMAN, Under Secy.

New Delhi the 28th September, 1974

S.O. 2666.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Bombay, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Lalji Brothers Manufacturers and Suppliers of Stone Metals, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th September, 1974.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL BOMBAY

Reference No CGIT-7 of 1973

PARTIES

Employers in relation to the Management of Messrs,  
Lalji Brothers, Manufacturers and Suppliers of  
Stone Metals, Bombay

AND

their workmen.

PRESENT

Shri B Ramlal Kishen, I.L.M., Bar-at-Law, Presiding  
Officer.

INDUSTRY.—Stone quarrying.

STATE.—Maharashtra.

Bombay, the 31st August, 1974

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour and Employment in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, by order No. L. 29011/47/71-LRIV dated 25-9-1973 have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employees in relation to the management of Messrs Lalji Brothers, Manufacturers and Suppliers of Stone Metals, Bombay and their workmen in respect of the subject matter contained in the following schedule:—

#### SCHEDULE

"Whether the following demands of the workmen of Messrs. Lalji Brothers, Manufacturers and Suppliers of Stone metal, Bombay, are justified :

- (1) Revision of wages;
- (2) Dearness Allowance;
- (3) Uniforms;
- (4) Washing Allowance.

It so, to what relief are they entitled?"

2. After the receipt of the order of reference notices dt. 22-10-1973 by registered post acknowledgment due were issued to the Central Secretary, Khan Kamgan Union, and the Partner of Messrs. Lalji Brothers for filing statement of claim and written statement in reply and the reference was fixed for hearing on 22-11-1973. Although the notices were duly acknowledged neither party filed any statement nor appeared on the date of hearing. Further notices by registered post were issued on 28th December 1973, 24th January 1974, 26th February 1974 and 5th June 1974. All these notices were duly acknowledged by the parties but no appearance was made on behalf of either party nor was any written application filed for grant of time. Finally on 27th July 1974 notices by registered post acknowledgement due was issued to both parties intimating that if no appearance was made by either party on the 19th August 1974 the matter would be heard and decided ex-parte. This notice was also duly received by both the parties but neither of them was present on the 19th August 1974 nor any written request for adjournment was received. It is futile therefore to send any more notices as it appears from the conduct of the parties that they are not interested in prosecuting the reference.

The reference is therefore disposed of for non-prosecution and I make my award accordingly.

No order as to costs.

B. RAMLAL KISHEN, Presiding Officer.

[No. L-29011/47/71-LR IV]

G. C. SAKSENA, Under Secy.

